जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 297 प्रभात चूरू, सोमवार 23 फरवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात हवाई हमले किए, 16 नागरिकों की मौत

तालिबान सरकार ने उचित समय पर जरूरी व सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी

- पाकिस्तान का दावा है कि उसने अफगानिस्तान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए
- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउण्डेशन के हवाले से कहा गया है कि अफगानिस्तान के बेहसुर जिले में हवाई हमले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मृत्यु हुई, जिनमें एक वर्ष का बच्चा तथा 80 वर्ष का बुजुर्ग भी था।

इस्लामाबाद, 22 फरवरी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुए फिदायीन हमले के बाद पाकिस्तान ने रविवार को अफगान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। इस कार्रवाई पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उचित समय पर जरूरी और सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन (आईएचआरएफ) के हवाले से दावा किया गया है कि रमजान के महीने में हुए इन हमलों में अफगानिस्तान के बेहसुद जिले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मौत हुई है।मृतकों में एक वर्ष का बच्चा और 80 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल बताए गए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अफगानिस्तान के निजी समाचार चैनल टोलो न्यूज के अनुसार पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने नांगरहार प्रांत के खोग्यानी और गनी खेल जिलों तथा पतिका प्रांत के बेरमल और अर्गुन जिलों में कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी गतिविधियों के लिए न होने दे।

वहीं, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि ये हमले देश की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी हमलों का संचालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में हुए आत्मघाती हमले में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सिपाही की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के हमलों के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद तथा बन्नू और बाजौर में हुए हमलों के पीछे ख्वारिज समूह का हाथ बताया गया है। पाकिस्तान का आरोप है कि इन हमलों में अफगानिस्तान में मौजूद संचालकों का सहयोग था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दाएश खुरासान प्रांत (डीकेपी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे वह फितना अल ख्वारिज कहता है, और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़े तत्व सीमा पार से हमलों में शामिल रहे हैं।

दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकी गतिविधियों को लेकर लंबे समय से अविश्वास बना हुआ है। पिछले वर्ष अक्टूबर में सीमा पर हुए सैन्य संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिकों और करीब 200 अफगान तालिबान लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

अजित पवार के प्लेन क्रैश की रिपोर्ट 28 को आएगी

मुंबई, 22 फरवरी। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यहां एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए मोहोल ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट घटना के दिन से एक

- इस विमान दुर्घटना पर विपक्ष की ओर से सवाल उठते रहे हैं।

महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।

इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई संवाददाता सम्मेलन कर विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। कर्जत-जामखेड के विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम किया, 8 गिरफ्तार

नौ दिन के गोपनीय ऑपरेशन के बाद स्पेशल सैल ने कोलकाता व तमिलनाडु में इन आतंकियों को पकड़ा

- पुलिस के अनुसार, बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रैकी की गई थी।

नई दिल्ली, 22 फरवरी। देश में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नाकाम कर दिया है। करीब 9 दिन गुपचुप तरीके से चले ऑपरेशन के बाद स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बड़े मॉड्यूल का खुलासा करने का दावा किया है। टीम ने कोलकाता और तमिलनाडु में छापेमारी कर 7 बांग्लादेशी समेत कुल 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों को लेकर पुलिस टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है जिसके सोमवार को पहुंचने की उम्मीद है।

दावा किया गया है कि बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी की गई थी। आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल फोन में इसके वीडियो मिले हैं। समय रहते मॉड्यूल के खुलासे से बड़ा आतंकी हमला टल गया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी उमर फारूक, बांग्लादेशी नागरिक रबि-उल-इस्लाम, मो. लिटन, मो. मिजानुर रहमान, मो. उज्जाल, मो. जहीदुल इस्लाम, उमर और सैफायत होसेन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास देश-विरोधी पोस्टर लगा दिए। सीआईएसएफ के जवानों ने इन्हें देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले आरोपितों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया। आरोपी पोस्टर लगाने के बाद कोलकाता भाग गए। बाद में 13 फरवरी को केस को स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया गया। जिसके बाद टीम फौरन कोलकाता पहुंची। वहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से स्पेशल सेल की टीम ने उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि इन लोगों ने बांग्लादेश में बैठे लश्कर के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के इशारे पर पोस्टर लगाए थे। लश्कर के इशारे पर भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीएमके व कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा निर्णायक दौर में

मुख्यमंत्री स्टालिन व कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल की मुलाकात में स्थिति स्पष्ट होने के आसार

- डीएमके महासचिव दुरैमुरुगन ने पार्टी कोषाध्यक्ष टी.आर. बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति बनाई है, जो गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से वार्ता कर रही है।

चेन्नई, 22 फरवरी। तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच राजनीतिक दलों ने उम्मीदवार तय करने, गठबंधन को मजबूत करने और सीट वितरण को अंतिम रूप देने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने अपने गठबंधन का ढांचा लगभग तैयार कर दिया है, जबकि छोटे दल आने वाले दिनों में अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे।

मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करेंगे। वेणुगोपाल दिल्ली से पहुंच रहे हैं। उनके साथ तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश चोडणकर भी मौजूद रहेंगे।

इस बैठक का फोकस डीएमके और कांग्रेस की सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने पर होगा, जो कि राज्य में डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के हिस्से के रूप में है। कांग्रेस डीएमके की मुख्य सहयोगी है। उसने पिछले साल नवंबर में सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए गिरीश चोडणकर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति बनाई थी। करीब तीन महीने तक पार्टी डीएमके से अपनी वार्ता समिति बनाने का आग्रह करती रही। डीएमके के महासचिव दुरैमुरुगन ने हाल ही में पार्टी कोषाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री टीआर बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय सीट बंटवारा समिति की घोषणा की, जो गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत करेगी। इस समिति ने पहले ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ बातचीत शुरू कर दी है। आईयूएमएल के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को शुरुआती बैठक के लिए डीएमके समिति से मुलाकात की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 22 फरवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की रविवार को फिर से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहेंगे।

अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि शरद पवार को उल्टी की वजह से डीहाइड्रेशन हो गया है। इसलिए अगले दो दिन तक वे इसी हॉस्पिटल में रहकर इलाज करवाएंगे। शरद पवार की तबीयत अब पूरी तरह से स्थिर और ठीक है।

शरद पवार की बेटी और सांसद

- डॉक्टर के अनुसार, उल्टी होने के कारण डीहाइड्रेशन हो गया था।

सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को आज अचानक उल्टी हुई, जिससे वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद तत्काल रुबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों की सलाह पर शरद पवार को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं को अस्पताल में न आने की अपील की है।

शरद पवार को हाल ही में रुबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसी अस्पताल से 14 फरवरी को शरद पवार को डिस्चार्ज किया गया था।

25 लाख के ईनामी नक्सली ने सरेंडर किया

जगदलपुर, 22 फरवरी। नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के सदस्य 25 लाख के इनामी देवजी ने अपने 16 नक्सली साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय

- देवजी लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था तथा आठ माह पूर्व ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों का भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा।

नक्सली देवजी मूल रूप से करीमनगर जिले का निवासी है और लंबे समय से नक्सली संगठन की केंद्रीय गतिविधियों में सक्रिय था। करीब आठ महीने पहले ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एआई समिट में कांग्रेसियों का कपड़े उतार प्रदर्शन शर्मनाक था- मोदी

प्रधानमंत्री ने मेरठ मैट्रो रेल तथा दिल्ली गाजियाबाद मेरठ नमो कॉरिडोर का उद्घाटन किया

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुट जाता है, लेकिन कांग्रेस अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है।

मेरठ/लखनऊ , 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जहरीली और देश विरोधी राजनीति कर रही है। कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है। नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े उतार कर प्रदर्शन करने की घटना को शर्मनाक बताते हुए मोदी ने कहा कि मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी।

रविवार को मेरठ में मेट्रो रेल और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में मेरठ के लोगों से पूछा कि एआई समिट से गर्व हुआ है या नहीं, सीना चौड़ा हुआ है, युवाओं का भाग्य बदलने के लिए यह आयोजन हुआ है। इस पर सभा में मोदी -मोदी के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन से पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने समिट में जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया और कितनी दरिद्र हो गई है। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुटा जाता है लेकिन कांग्रेस को अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि एआई समिट भाजपा का आयोजन नहीं था और न ही वहां भाजपा का नेता था। यह देश के लोगों का कार्यक्रम था, लेकिन कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ी और अब देशभर में कांग्रेस की थू थू हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस के नेता बेशर्मी के साथ देश का अपमान करने वालों की जय जयकार कर रहे हैं और मीडिया इस घटनाक्रम में पूरे विपक्ष का नाम लेता है जबकि कांग्रेस के नंगेपन में टीएमसी, बीएसपी नहीं थे सिर्फ कांग्रेस थी। यह कांग्रेस की यह हरकतें लगातार हो रही हैं। लोकसभा नहीं चलने दे रहे हैं और माताओं- बहनों को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने भेजते हैं। अगर प्रधानमंत्री बनना है तो लोगों का दिल जीतिए। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करके नहीं बन पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के बाकी हिस्से और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। मेट्रो में सफर कर छात्रों, युवाओं से बातचीत की। रैपिड सेवा शुरू होने से मेरठ और दिल्ली के बीच यात्रा का समय काफी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रेड डील की बैठक पर ब्रेक, भारत के व्यापारिक दल की वॉशिंगटन यात्रा स्थगित

भारत-अमेरिकी अंतरिम समझौता अप्रेल से लागू होना था, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असमंजस फैला

- भारत सरकार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले तथा अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन कर रही है। भारतीय दल के वॉशिंगटन दौरे का कार्यक्रम अमेरिकी अधिकारियों से बात होने के बाद तय किया जाएगा।

वॉशिंगटन डीसी, 22 फरवरी।भारत ने इस हफ्ते वॉशिंगटन भेजने वाला अपने व्यापारिक दल का दौरा अचानक टाल दिया है। व्यापार मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद टैरिफ को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता इसका मुख्य कारण है।

गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए कुछ टैरिफ को खारिज कर दिया था। इसके ठीक एक दिन बाद शनिवार को ट्रंप ने सभी देशों से आने वाले अमेरिकी आयात पर 15 फीसदी का अस्थायी टैरिफ लगा दिया। यह कानून के तहत सबसे ज्यादा सीमा है।

सूत्र ने कहा, दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बात होने के बाद ही यह फैसला लिया गया। अभी नई तारीख तय नहीं हुई है। प्रतिनिधिमंडल रविवार को ही रवाना होने वाला था, जहां अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही थी।

इस समझौते में अमेरिका भारत के निर्यात पर 50 फीसदी के भारी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने को तैयार था। इस 50 फीसदी में से 25 फीसदी टैरिफ इसलिए लगे थे क्योंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा था। बदले में भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने का वादा किया था। इनमें एनर्जी प्रोडक्ट, विमान और उनके पार्ट्स, कीमती धातुएं और टेक्नोलॉजी से जुड़े सामान शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी ने इस अंतरिम समझौते पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि कोर्ट के फैसले से पहले ही संयुक्त बयान क्यों जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब समझौते को फिर से बातचीत करके बेहतर तरीके से तय करना चाहिए। शनिवार को ही भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि कोर्ट के फैसले और अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है।

पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि बाकी मुद्दे सुलझ जाने पर अप्रैल से यह अंतरिम समझौता लागू हो सकता है। अब कोर्ट के फैसले और नए टैरिफ के बाद स्थिति बदल गई है।

ट्रंप पर फिर हमले की साजिश

वाशिंगटन, 22 फरवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमले की साजिश सामने आई है। उनके फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट के सुरक्षा घेरे में एक शख्स हथियार लेकर घुस गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हथियारबंद व्यक्ति को मार गिराया। अमेरिकी खुफिया विभाग

- रिसॉर्ट में गन लेकर घुसा शख्स, सुरक्षाकर्मियों ने किया ढेर।

के अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप आमतौर पर अपना वीकेंड मार-ए-लागो रिजॉर्ट में गुजारते हैं, लेकिन शनिवार रात को घटना के समय वह वाइट हाउस में थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी घटना के समय राष्ट्रपति के साथ वाइट हाउस में थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो बेटों ने जमीन विवाद में पिता की हत्या की

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल थाना इलाके के गुमानपुरा गांव में जमीन विवाद के चलते दो बेटों द्वारा अपने ही पिता की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या करने

- घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार मृतक अपने खेत की जमीन बेचने पर विचार कर रहे थे। इसी बात को लेकर उनके दोनों बेटे शंकर सिंह और अमर सिंह नाराज चल रहे थे। परिवार में पिछले कुछ दिनों से इसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन भी पिता और दोनों बेटों के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। –कथा सरित्सागर

भारत में बेरोज़गारी

भारत विश्व की सबसे ज़्यादा युवा आबादी वाला देश है। भारत की युवा आबादी (15–24 वर्ष): लगभग 24 करोड़ (240 मिलियन) है। हमारी तुलना में चीन में यह युवा आबादी थोड़ी कम अर्थात 22 करोड़ ही है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए अत्यधिक हर्ष और गर्व का कारण होनी चाहिए। हम भारतीयों को भी इस बात पर गर्व है। लेकिन ज़रा ठहर कर सोचें तो हम पाते हैं कि यह स्थिति जितना गर्व प्रदान करती है उतनी ही चिंता भी पैदा करती है। बात को स्पष्ट करूं? अगर हम इस युवा आबादी की कार्य क्षमता का अर्थात जन सांख्यिकीय लाभांश पूरा उपयोग कर सकें तो देश का समठा विकास नई ऊंचाइयों को छू सकता है। लेकिन अगर हम इन 48 करोड़ हाथों को उपयुक्त रोज़गार न दे सकें और इनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग न कर सकें तो न केवल विकास का हमारा सपना पूरा नहीं होगा, ये युवा भी कुण्ठित होकर एक बड़ी सामाजिक उथल–पुथल का कारण बन जाएंगे। इसलिए यह बहुत ज़रूरी है कि देश में न केवल आर्थिक विकास हो, वह आर्थिक विकास रोज़गार सृजन में भी सक्षम हो। यहां यह बात भी ध्यान में रखने योग्य है कि भारत में आर्थिक विकास की दर पिछले कुछ वर्षों से 6 से 8 प्रतिशत के बीच रही है। देखने की बात यह है कि क्या इस आर्थिक विकास की कोई संगति हमारे रोज़गार सृजन से है?

भारत सरकार के पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) के नवीनतम उपलब्ध वार्षिक आंकड़ों (जुलाई 23 से जून 24) के अनुसार भारत में बेरोज़गारी की दर लगभग 3.2 प्रतिशत थी। इस दर में पुरुष और महिला बेरोज़गारी लगभग समान पाई गई। हाल के समय में पीएलएफएस के ये आंकड़े त्रैमासिक आधार पर भी ज़ारी किए जाने लगे हैं, और अक्टोबर–दिसम्बर 2025 के आंकड़े बताते हैं कि भारत में बेरोज़गारी दर 4.8 प्रतिशत थी। इसी अवधि में ग्रामीण बेरोज़गारी दर लगभग 4 प्रतिशत और शहरी बेरोज़गारी दर 6.7 प्रतिशत पाई गई। यहीं यह जान और समझ लेना भी ज़रूरी है कि भारत में बेरोज़गारी को तकनीकी रूप से परिभाषित करने का तरीका ऐसा है कि स्थित वाकई जितनी गम्भीर है उतनी गम्भीर नज़र नहीं आती है। तरीका यह है कि जिस व्यक्ति के पास न्यूनतम एक घण्टे का भी काम है वह सरकारी आंकड़ों में बेरोज़गार नहीं माना जाता है। तो ये 4.8 प्रतिशत लोग वे हैं जिनके पास एक घण्टे का भी रोज़गार नहीं है। लेकिन सोचिये कि जिस व्यक्ति के पास एक या दो घण्टे का रोज़गार है क्या वह उसे जीवित रखने के लिए पर्याप्त है? गरिमापूर्वक जीवित रहने की तो बात ही मत कीजिए।

अभी हम समग्र बेरोज़गारी की बात कर रहे थे। अब ज़रा युवा वर्ग (15–29 वर्ष) के रोज़गार की स्थिति भी जान लें। पीएलएफएस डेटा के अनुसार भारत में युवा बेरोज़गारी दर 10.2 प्रतिशत है जो वैश्विक औसत से थोड़ी कम है। वैसे कुछ अन्य सर्वेक्षण यह भी बताते हैं कि भारत में युवा बेरोज़गारी दर 14–15 प्रतिशत के आस पास है। अगर हम सरकारी आंकड़ों को पूरी तरह विश्वसनीय मान लें तो भी स्थिति चिंताजनक है। जो युवा शक्ति भविष्य की औद्योगिक, डिजिटल और हरित अर्थ व्यवस्था की रीढ़ हो सकती है, उसके पास काम ही न होना गम्भीर चिंता की बात है।

अभी हमने कुछ अलग–अलग लगने वाले मुद्दों की चर्चा की: भारत में बेरोज़गारी, भारत में युवा बेरोज़गारी और भारत में आंशिक बेरोज़गारी। आंशिक बेरोज़गारी से यहां आशय यह है कि जो लोग दिन में केवल एक घण्टा काम करते हैं वे आंशिक बेरोज़गार हैं। यही हम असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वालों को और गिग वर्कर्स को भी याद कर सकते हैं। गिग वर्कर भले ही साथ आठ या इससे भी ज़्यादा घण्टे काम करते हैं और उनमें से अनेक ठीक–ठाक कमाई भी कर लेते हैं, उनके पास किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा का न होना और हमेशा ही उन पर काम से बाहर कर दिये जाने की तलवार का लटका रहना उनकी स्थिति को चिंताजनक बना देता है।

भारत के पास बहुत बड़ी युवा शक्ति है। उसका सही उपयोग करके हम अपने देश को प्रगति की राह पर ले जा सकते हैं। युवा काम चाहते हैं। वे काम करने को तैयार हैं। ज़रूरत इस बात की है कि उन्हें काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए और दो टूक शब्दों में यह भी समझा दिया जाए कि प्रगति की राह श्रम की सड़क से ही होकर गुज़रती है। अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुधार कर और उसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप ढाल कर हम बेरोज़गारी की समस्या को हल कर सकते हैं।

अब हम यह विचार करें कि भारत की आर्थिक प्रगति की दर ठीक–ठाक होने के बावज़ूद बेरोज़गारी की वजह क्या है? पहली बात तो यह कि हमारे यहां सेवा क्षेत्र का विकास अधिक हुआ है और उसमें रोज़गार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। दूसरी बात तकनीकी प्रगति और स्वचालन है जिसने रोज़गार के अवसर कम कर दिए हैं। पहले जहां सौ कार्मिकों की ज़रूरत थी, अब बमुश्किल दस की ज़रूरत रह गई है। इसी के साथ यह भी जोड़कर देखना होगा कि हम बाज़ार की ज़रूरतों का प्रामाणिक आकलन करके तदनुसार अपनी शिक्षा को नियोजित कर पाने में असमर्थ रहे हैं। यह कहना भी बहुत क्रूर नहीं होगा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और बाज़ार की ज़रूरतों के बीच कोई संवाद है ही नहीं। परिणाम यह होता है कि रोज़गार के नए अवसर तो सृजित होते हैं लेकिन उन अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम युवा हमारे पास नहीं होते हैं, भले ही उनके पास किसी विश्वविद्यालय की औपचारिक डिग्री होती है लेकिन वह डिग्री भावी नियोक्ता को काम की नहीं लगती।

पिछले दिनों एक समाचार आया था कि राजस्थान के 18 में से दस विश्वविद्यालयों में सारे के सारे पद रिक्त पड़े हैं। अकेले राजस्थान विश्वविद्यालय में, जो राजस्थान का सबसे पुराना और अग्रणी विश्वविद्यालय है 1016 शैक्षणिक पदों में से 608 पद रिक्त हैं। जोधपुर के एमबीएम इंजीनियरिंग संस्थान में शिक्षकों के सारे के सारे 147 पद रिक्त हैं। वहीं के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 421 में से 308 पद खाली पड़े हैं। कोटा विश्वविद्यालय में 64 के 64 शैक्षिक पद खाली पड़े हैं। कहना अनावश्यक है कि इन खाली पदों के बावज़ूद ये संस्थान नियमित परीक्षाएं भी करवाते हैं और हर साल शिक्षितों की एक बड़ी फौज़ को कोई न कोई डिग्री देकर बाहर भी निकालते हैं। सोचने की बात यह है कि बिना शिक्षकों के पढ़ाई करने वाले ये युवा कितने काबिल होंगे? कोई इन्हें क्यों अपने यहां नियुक्त करेगा! हाथों में डिग्री थामे ये युवा या तो पूरी तरह बेरोज़गार रहेंगे या फिर 'चपरासी की नौकरी के लिए आए डिग्री धारी इंजीनियर जैसी किसी सनसनीखेज खबर का विषय बनकर रह जाएंगे।

बहुत बार यह कहा जाता है कि भारत का अधिसंख्य युवा पढ़ाई में मेहनत नहीं करता है या वह केवल ऐसी सरकारी नौकरी करना चाहता है जहां बहुत कम दक्षता से काम चल जाता है। हो सकता है ये बातें आंशिक रूप से सही हों। लेकिन ये आंशिक रूप से सही बातें हमारे नीति निर्माताओं को उनकी ज़िम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकतीं। क्यों नहीं अगले दस–पंद्रह बरसों की ज़रूरत का आकलन करके तदनुसार शैक्षिक ढांचे को व्यवस्थित किया जाए! क्यों न शिक्षा के नाम पर खुलने वाली महंगी दुकानों पर रोक लगाई जाए! क्यों न सरकारी शिक्षण संस्थानों की हालत सुधारी जाए! क्यों न शिक्षा व्यवस्था की पूरी बागडोर उनके हाथों में सौंपी जाए जो इसकी काबिलियत रखते हैं! क्यों न नेता और राजनीति कर्मी इस सारे काम से अपने को दूर रखें। उनके पास वैसे भी करने को बहुत सारे काम हैं। शिक्षा का काम इस क्षेत्र के विशेषज्ञों पर छोड़ दें तो उनकी बड़ी कृपा होगी। अभी तो हाल यह है कि इतिहास के मुद्दों पर भी विचार और फैसला वे करते हैं जिन्हें इतिहास का इ भी मालूम नहीं। वे ही यह तै करते हैं कि किस वैज्ञानिक को पाठ्यक्रम में रखा जाएगा, किसे हटाया जाएगा। वे ही इस बात का भी फैसला करते हैं कि अंग्रेज़ी साहित्य के पाठ्यक्रम में शेक्सपियर को पढ़ाया जाए या नहीं! जब यह सब हो रहा है तो इसकी परिणति भी वही हो सकती है जो हो रही है।

भारत के पास बहुत बड़ी युवा शक्ति है। उसका सही उपयोग करके हम अपने देश को प्रगति की राह पर ले जा सकते हैं। युवा काम चाहते हैं। वे काम करने को तैयार हैं। ज़रूरत इस बात की है कि उन्हें काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए और दो टूक शब्दों में यह भी समझा दिया जाए कि प्रगति की राह श्रम की सड़क से ही होकर गुज़रती है। अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुधार कर और उसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप ढाल कर हम बेरोज़गारी की समस्या को हल कर सकते हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों ने ऐसा किया है। उनके उदाहरण हमारे सामने हैं। चुनाव हमें करना है, कि हम क्या चाहते हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

विकसित राजस्थान @ 2047 का बजट और सशक्त नारी शक्ति

राजेंद्र राठौड़

राजस्थान की मरुधरा आज एक युगांतरकारी परिवर्तन की साक्षी बन रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत बजट विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार करने वाला एक सुदृढ़ विजन डॉक्यूमेंट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए इस बजट में (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति) को प्रगति का मुख्य आधार बनाया गया है। राजस्थान अपनी वित्तीय सीमाओं के भीतर रहते हुए एक कल्याणकारी राज्य और आर्थिक शक्ति के बीच संतुलन साध रहा है।

किसी भी प्रदेश की प्रगति का सबसे सटीक पैमाना उसकी जीडीपी और राजकोषीय अनुशासन होता है। आर्थिक समीक्षा 2026–27 के आंकड़े चौंकाने वाले और उत्साहजनक हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार अब 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये अनुमानित है। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पिछली सरकार के अंतिम वर्ष की तुलना में 41.39 अधिक है। यह वृद्धि दर दर्शाती है कि राजस्थान में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों ने तेज रफ्तार पकड़ी है। एक आम राजस्थानी की औसत आय में भी अभूतपूर्व सुधार हुआ है।प्रति व्यक्ति आय जो पहले 1.67 लाख रुपये के आसपास थी, अब बढ़कर 2,02,349 रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। अक्सर देखा गया है कि लोकलुभावन घोषणाओं के चक्कर में राज्य कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। लेकिन इस बजट में राजकोषीय घाटे को का मात्र 2.54 रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो निर्धारित वित्तीय सीमाओं के भीतर एक बड़ी उपलब्धि है।

इस बजट का सबसे उज्ज्वल पक्ष नारी शक्ति पर केंद्रित निवेश है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे वित्तीय स्वतंत्रता से जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। बजट 2026–27 में इस मुहिम को और विस्तार देते हुए 5,000 लखपति दीदियों को 100 करोड़ रुपये की ऋण सहायता का प्रावधान किया गया है। यह छोटे उद्योगों और स्वयं सहायता समूहों के लिए संजीवनी साबित होगा।

कृषि सखी और पशु सखी को आधुनिक डिजिटल टैबलेट से लैस करना एक क्रांतिकारी कदम है। यह न केवल तकनीक को गांव की चौपाल तक पहुँचाएगा, बल्कि डेटा–आधारित खेती और पशुपालन को भी बढ़ावा देगा। सरकार ने लाडो प्रोत्साहन के भाव को बजट के केंद्र में रखा है। प्रदेश की 4.6 लाख बालिकाओं को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक 1.5 लाख रुपये की किश्तवार सहायता प्रदान की जा रही है। 382 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और 41 नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावासों का कायाकल्प किया जा रहा है। यहां 3–फेज बिजली, वॉशिंग मशीन और ऑटोमैटिक रोटी मेकर जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं ताकि छात्राएं अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित कर सकें। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति और अनुसूचित जाति–जनजाति की छात्राओं के लिए पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति के माध्यम से करोड़ों की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है।स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान ने आउट बाउंड पोर्टेबिलिटी शुरू कर देश में एक मिसाल पेश की है। अब राजस्थान की महिलाएं केवल प्रदेश के भीतर नहीं, बल्कि देशभर के 31,000 से अधिक संबद्ध अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगी।

मातृत्व सहायता राशि को बढ़ाकर 6,500 रुपये कर दिया गया है, जिसका लाभ लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। इसके साथ ही, 1.22 करोड़ महिलाओं और किशोरियों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन का वितरण मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। महिला सुरक्षा के मोर्चे पर तकनीक और पुलिसिंग का एक हाइब्रिड मॉडल तैयार किया गया है। प्रदेश में 22,000 सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क स्थापित किया गया है। 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स और 65 एंटी–रोमियो स्क्वॉड की तैनाती ने जमीनी स्तर पर सुरक्षा का माहौल बनाया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जो इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है।

बजट में महिला कर्मचारियों के लिए सरोगेसी और कमीशनिंग मदर्स को मातृत्व अवकाश (क्रमशः 180 और 90 दिन) देने का प्रावधान प्रगतिशील समाज की पहचान है। वहीं, मृत कर्मचारियों के आश्रितों में पुत्र वधू को शामिल करना पुरानी और रूढ़िवादी मान्यताओं को तोड़ने वाला एक बड़ा सामाजिक सुधार है। किसान सम्मान निधि में 10,900 करोड़ रुपये का निवेश और गेहूं पर 150 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस सीधे किसानों की क्रय शक्ति में वृद्धि करेगा। युवाओं के लिए भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्ध नियुक्तियां इस बजट की प्राथमिकता हैं।इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में27,860 करोड़ की लागत से 42,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण न केवल कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए सरकार ने जो खाका खींचा है, वह संतुलित विकास की ओर इशारा करता है। कुल प्राप्तियां 3,14,455.38 करोड़ और कुल व्यय 3,69,123.33 करोड़ के साथ ही विकास कार्यों के लिए 56,691.82 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बजट 2026–27 राजस्थान को बीमारू राज्य की छवि से पूरी तरह बाहर निकालकर एक विकसित प्रदेश की श्रेणी में लाने का साहस रखता है। बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश (27,860 करोड़ रुपये सड़कों के लिए) और साथ ही सामाजिक सुरक्षा (91 लाख लाभार्थियों को 28,400 करोड़ रुपये की पेंशन) के बीच का यह संतुलन काबिले तारीफ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान अब केवल योजनाओं के बारे में नहीं सोच रहा, बल्कि परिणामों को डिलीवर कर रहा है। यदि इन घोषणाओं का धरातल पर क्रियान्वयन इसी गति से होता रहा, तो विकसित राजस्थान 2047 का लक्ष्य केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक हकीकत होगा। यह बजट आधी आबादी के प्रति सम्मान, अन्नदाता के प्रति कृतज्ञता और युवाओं के प्रति विश्वास का एक साझा दस्तावेज है। यह राजस्थान की समृद्धि का नया अध्याय है।

राजेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री, राजस्थान।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट में विदेशों पर निर्भरता और आमजन को आत्मनिर्भर भारत का भ्रम

ज़रूरत है आत्मविश्लेषण की

सुनील दत्त गोयल

भारत आज स्वयं को विश्वगुरु, आत्मनिर्भर राष्ट्र और वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की बात करता है, लेकिन यदि इन नारों की बुनियाद को परखा जाए तो सबसे कमजोर कड़ी अनुसंधान एवं विकास (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) ही दिखाई देती है। यह एक कटु सत्य है कि भारत आज भी अपनी जीडीपी का लगभग 0.6 प्रतिशत ही रिसर्च पर खर्च कर रहा है, जबकि दुनिया के अधिकांश अग्रणी देश 3.5 से 4 प्रतिशत तक का निवेश इस क्षेत्र में करते हैं। सवाल यह नहीं है कि भारत के पास संसाधन नहीं हैं, बल्कि यह है कि क्या भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं में रिसर्च वास्तव में शामिल है?

विडंबना यह है कि हम हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चीन, अमेरिका या यूरोप की तकनीकी बढ़त पर चर्चा करते हैं, लेकिन यह स्वीकार करने से कतराते हैं कि उनकी इस बढ़त का मूल कारण निजी क्षेत्र को खुली छूट और प्रोत्साहन देना है। भारत में आज भी रिसर्च को सरकारी प्रयोगशालाओं और सीमित सार्वजनिक संस्थानों तक सीमित रखने की मानसिकता हावी है। निजी क्षेत्र को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, मानो नवाचार केवल सरकारी फाइलों और समितियों में ही जन्म ले सकता हो।

यदि चीन का उदाहरण लें, तो तस्वीर और भी स्पष्ट हो जाती है। चीन न केवल रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर भारी निवेश करता है, बल्कि निजी कंपनियों को टैक्स छूट, अतिरिक्त डिडक्शन, सब्सिडी, सॉफ्ट लोन और सरकारी खरीद में प्राथमिकता जैसे कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ देता है। कई मामलों में तो कंपनियों द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च किए गए धन का बड़ा हिस्सा अलग–अलग रूपों में उन्हें वापस मिल जाता है। परिणाम यह है कि चीनी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सैटेलाइट सिस्टम और साइबर क्षमताओं में तेज़ी से आगे बढ़ी।

इसके विपरीत भारत में निजी उद्योग को अक्सर यह संदेश मिलता है कि आप निवेश करें, जोखिम उठाएं, लेकिन भरोसा और अधिकार सरकार के पास ही रहेगा। यही कारण है कि देश का प्रतिभाशाली युवा और उद्योगपति अपनी रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमता का बड़ा हिस्सा विदेशों में इस्तेमाल करने को मजबूर होता है।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स–2025 के ताज़ा आँकड़े भारत की अनुसंधान एवं विकास स्थिति की एक मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। दुनिया भर में कुल रिसर्च एंड डेवलपमेंट खर्च लगभग 2.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है, जिसमें एशिया की हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत है। चीन ने लगभग 785.9 बिलियन डॉलर और अमेरिका ने 781.8 बिलियन डॉलर शोध पर खर्च किए, जबकि भारत 75.7 बिलियन डॉलर के साथ शीर्ष–10 देशों में सातवें स्थान पर है। सतही तौर पर यह उपलब्धि उत्साहजनक लग सकती है, किंतु गहराई से देखने पर अंतर स्पष्ट दिखाई देता है – चीन भारत की तुलना में लगभग दस गुना अधिक निवेश कर रहा है। और जब खर्च को जीडीपी के अनुपात में देखा जाता है, तो भारत का निवेश लगभग 0.7 प्रतिशत तक सीमित है, जबकि दक्षिण कोरिया जैसे देश 5 प्रतिशत से अधिक जीडीपी शोध पर व्यय कर रहे हैं। यह अंतर केवल संख्या का नहीं, बल्कि तकनीकी प्रतिस्पर्धा और दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता का संकेतक है।

भारत में रिसर्च एंड डेवलपमेंट संरचना भी विश्लेषण योग्य है। कुल शोध व्यय का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा सरकार और सार्वजनिक संस्थानों से आता है, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 36 प्रतिशत है। इसके विपरीत, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में निजी क्षेत्र अनुसंधान का मुख्य वाहक होता है। अमेरिका में बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, जापान में ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तथा यूरोप में हेल्थकेयर और ऊर्जा क्षेत्र निजी निवेश के माध्यम से शोध को गति देते हैं। भारत में पेटेंट फाइलिंग में वृद्धि – 2024–25 में 68,176 आवेदन – एक सकारात्मक संकेत अवश्य है, और हाल में घोषित एक लाख करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना भी दिशा दर्शाती है, परंतु जब तक जीडीपी के अनुपात में निवेश नहीं बढ़ता और निजी क्षेत्र की भागीदारी संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ नहीं होती, तब तक वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में वास्तविक छलांग कठिन दिखाई देती है। तथ्य यह संकेत देते हैं कि भारत ने प्रगति की है, पर वैश्विक मानकों की तुलना में अनुसंधान–गहन अर्थव्यवस्था बनने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना शेष है।

सबसे चिंताजनक स्थिति रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में दिखाई देती है। हाल ही में परमाणु पनडुब्बी निर्माण जैसी दीर्घकालिक योजनाओं की चर्चा सामने आई, जिनकी पूर्णता वर्ष 2038 के आसपास बताई जा रही है। यह सुनकर किसी भी जागरूक नागरिक के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि 13–14 वर्षों बाद की दुनिया और युद्ध की प्रकृति कैसी होगी? क्या तब तक आज की तकनीक प्रासंगिक भी रहेगी? आज युद्ध केवल टैंक, तोप और पनडुब्बी तक सीमित नहीं है। आधुनिक युद्ध डेटा, सैटेलाइट, सेंसर, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर नेटवर्क से लड़े जा रहे हैं। जब तक रक्षा उत्पादन और अनुसंधान में निजी क्षेत्र की पूर्ण भागीदारी को स्वीकार नहीं किया जाएगा, तब तक भारत समय के साथ कदम नहीं मिला पाएगा। केवल सरकारी संस्थानों के भरोसे रक्षा तकनीक विकसित करने का मॉडल अब पुराना और अप्रभावी साबित हो चुका है।

चीन ने हाल के वर्षों में सैकड़ों, बल्कि कुछ आकलनों के अनुसार हजारों निगरानी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित किए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य विजिलेंस, सुपरविजन और इंटेलिजेंस है। इन्हीं क्षमताओं के बल पर वह अपने रणनीतिक साझेदारों को रियल–टाइम सूचना सहायता देता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि आधुनिक संघर्षों में सूचना की गति ही निर्णायक भूमिका निभाती है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन निगरानी सैटेलाइट्स के नेटवर्क और निजी भागीदारी के मामले में अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भी यदि निजी कंपनियों को खुलकर रिसर्च एंड डेवलपमेंट करने, प्रयोग करने और असफल होने की स्वतंत्रता नहीं दी गई, तो हम केवल उपलब्धियों की गिनती करते रह जाएंगे, क्षमता का विस्तार नहीं कर पाएंगे।

आने वाले समय का सबसे खतरनाक युद्ध साइबर युद्ध होगा। इसमें न तो सीमा रेखाएं मायने रखेंगी और न ही पारंपरिक हथियार। बैंकिंग सिस्टम, बिजली ग्रिड, संचार नेटवर्क, रेलवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और सैन्य कमांड सिस्टम – सब कुछ एक साथ ठप किया जा सकता है। पिछले वर्ष का एक जीता–जागता उदाहरण माइक्रोसॉफ्ट के सिस्टम का फेल होना है। यह चाहे किसी भी प्रकार की त्रुटि से हुआ हो, एक आउटेज हुआ और लगभग पूरी दुनिया काफ़ी लंबे समय तक बाधित रही। इसके पीछे क्या कारण रहे होंगे, इसकी आज तक किसी को स्पष्ट जानकारी नहीं है। इतने बड़े मुद्दे को न तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने गंभीरता से उठाया और भारत की मीडिया का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

भारत के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आईटी पेशेवरों और साइबर विशेषज्ञों में से कई हैं, लेकिन वे या तो विदेशी कंपनियों में काम कर रहे हैं या देश में स्पष्ट नीति के अभाव में सीमित अवसरों से जूझ रहे हैं। सरकार को यह समझना होगा कि साइबर सुरक्षा में निवेश कोई वैकल्पिक खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। यहां भी सरकार को पूंजी लगाने की आवश्यकता नहीं, बल्कि निजी कंपनियों को भरोसा, अधिकार और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

मूल प्रश्न यही है कि समस्या नीति की है या नीयत की। जब सरकार बार–बार कहती है कि देश के पास टैलेंट की कमी नहीं है, तो फिर उस टैलेंट को अवसर देने में संकोच क्यों? रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर टैक्स छूट देना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निजी क्षेत्र को रणनीतिक क्षेत्रों में भागीदार बनाना कोई राष्ट्रविरोधी कदम नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में उठाया गया साहसिक निर्णय होगा। दुनिया का अनुभव यही बताता है कि सरकारें जब नियंत्रक से अधिक सक्षमकर्ता की भूमिका निभाती हैं, तभी नवाचार फलता–फूलता है। भारत को भी यह स्वीकार करना होगा कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट में छूट देना कोई नुकसान नहीं, बल्कि भविष्य में कई गुना लाभ देने वाला निवेश है।

निष्कर्ष: यदि भारत आज रिसर्च एंड डेवलपमेंट को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल नहीं करता, यदि निजी क्षेत्र को रक्षा, अंतरिक्ष और साइबर जैसे क्षेत्रों में खुलकर काम करने की अनुमति नहीं देता, तो आने वाले वर्षों में हम केवल दूसरों की तकनीक खरीदने वाले उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। आत्मनिर्भरता का सपना भाषणों से नहीं, बल्कि अनुसंधान में निवेश और भरोसे की नीति से साकार होगा।

भारतीय कंपनियों एवं सरकार की स्थिति आज भी यह है कि वे विदेश से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर अधिक भरोसा करती हैं, न कि अपने देश में नई टेक्नोलॉजी के विकास पर। यहीं से एक–दूसरे पर निर्भरता का खेल शुरू हो जाता है। हमें इससे बचना चाहिए, और सरकार को स्वयं यह भली–भाँति मालूम है कि आने वाले समय में कौन, कब और किसका स्विच ऑफ कर देगा – इसका किसी को पहले से पता नहीं होगा।

आज निर्णय लेने का समय है। अन्यथा कल इतिहास हमसे यही पूछेगा–जब अवसर था, तब हमने संकोच क्यों किया? पूरे देश में खेती किसानी के नाम पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत सरकार का एक सफेद हाथी के रूप में खड़ा हुआ है और सरकारों द्वारा अरबो रुपए हर साल इनके ऊपर खर्च किया जाता है और शायद सरकारी विभागों में अगर जमीन देखी जाए तो इस डिपार्टमेंट के पास तीसरे या चौथे नंबर की सबसे ज़्यादा जमीन की मिलकियत हो सकती है और सबसे ज़्यादा कर्मचारी और अधिकारी शायद इस डिपार्टमेंट में होंगे लेकिन इनके द्वारा दिए जाने वाले परिणाम आशाजनक नहीं हैं।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 23 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र सायं 4:34 तक, ब्रह्म योग दिन 10:19 तक, तैतिल करण प्रातः 9:10 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:12 से वृष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मकर, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग सायं 4:34 तक रहेगा। आज गोरुपिणी छठ है। आज मंगल कुम्भ में दिन 11:50 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:26 तक, शुभ 9:51 से 11:15 तक, चर 2:05 से 3:30 तक, लाभ–अमृत 3:30 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 6:20

मेष
मानसिक तनाव दूर होगा। मनः स्थिति में सुधार होगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है।

मकर
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
घर–परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना ₹2 200~ तक

डाउन पेमेंट ₹4 999$ से शुरू

EMI पर इंस्टेंट कैश बैक ₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Self in Rajasthan.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: सीकर: देव हीरो, आरटीओ चौक के पास, 9289922874, मटोरिया हीरो, 9289922392, झुन्झूनूं: अजय हीरो, 9289922203, चुरु: महालक्ष्मी हीरो, डीटीओ ऑफिस के पास, 9289922872, एसोशिएट डीलर: सीकर: श्री श्याम मोटर्स, (चाला) 9602616888, झुन्झूनूं: हैप्पी मोटर्स, बुहाना 9828580799, अजय हीरो, 9289922203, चिड़ावा: इन्डीका मोटर्स, 9414080651, चुरु: अशोका मोटर्स, 8949434435, महालक्ष्मी हीरो 9289922872, सरदारशहर: नामदेव ऑटोमोबाईल, 9352251427, सुजानगढ़: तोदी मोटर्स, 9413177555, फतेहपुर शेखावटी: जय भवानी मोटर्स, 8107115421, नवलगढ़: गणपति ऑटोमोबाईल, 9414491842, श्री माधोपुर: श्री गुरूजी मोटर्स, 9928404786, लक्ष्मणगढ़: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल, 9413858378, अजीतगढ़: श्री त्रिवेणी मोटर्स, 9414323389, रतनगढ़: जय आदित्य ऑटोमोबाईल्स, 9602910100, पिलानी: प्रदीप मोटर्स, 9602764951, नीम का थाना: बन्सिया ऑटोमोबाईल्स, 8003671799, सुल्ताना: नितिन मोटर्स, 8696332222, राजगढ़: सुबेश एन्टरप्राइजेज, 9116588885, गुढ़ा गौड़जी: शेखावाटी मोटर्स, 9529363953, छापर: भगवती मोटर्स, 9414956013, सिंघाना-झुंझुनू: ऑटो वर्ल्ड, 9413565209, सालासर: आदित्य मोटर्स, 9414402180, मुकुंदगढ़: श्रीराम मोटर्स, 8290554641, खाटू: हरिओम मोटर्स, 9887081642, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, पाटन: हिंदुस्तान ऑटोमोबाइल्स, 9829412885, राजलदेसर: ए डी ऑटो सेल्स, 9414676377, सूरजगढ़: फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल, 9887476447.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

कोटा के चेचट टोल के समीप तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई थी

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को चेचट टोल के समीप एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। चारों युवक कार के अंदर बुरी तरह से फंस गए थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 3.45 बजे हुआ।

- **महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे उत्तर प्रदेश निवासी कार सवार युवक**
- **हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को भी जब्त किया**

कोटा जिले के चेचट थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

सूत्रों के अनुसार सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला। मृतकों में तीन की पहचान प्रांजुल चतुर्वेदी (26), अंकुश दुबे (21) और श्रेष्ठ बाजपेई (23) निवासी कानपुर के रूप में हुई है, जबकि अन्य एक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस मृतकों के परिजनों से सम्पर्क कर मृतकों की शिनाख्त में जुटी है तथा पुलिस ने मृतकों के शवों को रामगंजमंडी मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी युवक उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर उत्तरप्रदेश कानपुर लौट रहे थे तथा चारों युवक शनिवार को उज्जैन पहुंचे बताए गए थे। दर्शन करने के बाद रविवार सुबह वहां से कानपुर के लिए रवाना हुए थे। एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी खंगालने पर पता चला बताया है कि गाड़ी स्पीड में थी और लहरा रही थी। ड्राइवर को झपकी आने के चलते कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई होगी।

वहीं पुलिस के द्वारा हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिए जाने की जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए व चकनाचूर हो गई। कार तेज गति में होने के कारण चलते ट्रक में घुस गई। हादसे के बाद ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया। साथ ही ट्रक को भी जब्त किया गया है। कुछ देर यातायात बाधित भी हुआ। जिसके बाद बैरिकेडिंग लगाकर कार को प्रोटेक्ट किया गया और ट्रक को साईड में खड़ा कर दिया गया। घटना के बाद कार में सवार चारों युवक पूरी तरह से फंस गए थे, जिनको बड़ी मशक्कत करके बाहर निकाला गया।

फिलहाल युवकों के शव को रामगंजमंडी अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिए जाने की जानकारी मिली है तथा परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई के साथ शवों का पोस्टमार्टम करवाए जाने की सम्भावना है।

पाली के भावनगर गांव में एक साथ उठी पांच अर्थियां

पाली, (निसं)। पाली जिला मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर दूर भावनगर गांव (गुड़ा एंदला) में रविवार सुबह जब एक साथ पांच अर्थियां अंतिम संस्कार के लिए उठाई गई तो वहां मौजूद कोई भी व्यक्ति अपने आंसू रोक नहीं सका।

- **मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया**
- **गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक हुये हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवा दी थी**

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास एक वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इस हादसे में जान गंवाने वाले एक ही परिवार के पांच लोगों की अर्थियां आज एक साथ निकली। इस हादसे में चार पीढ़ियों ने जान गंवाई है। मां और तीन साल के बेटे के शव का एक ही अर्थी पर अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार रामलाल कुमावत परिवार के साथ वर्तमान में अहमदाबाद (गुजरात) में रहते थे। ये लोग मूल रूप से पाली के भावनगर (गुड़ा एंदला) के रहने वाले थे। रामलाल कुमावत अपने भांजे विकास पुत्र भंवरलाल कुमावत की शादी में शामिल होने परिवार सहित पाली जिले के मणिहारी गांव आए थे। 20 फरवरी को बंदोली कार्यक्रम में भाग लेने के बाद परिवार रात करीब दो बजे वैन से अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ था। 21 फरवरी की सुबह गुजरात के ऊंझा-मेहसाणा हाइवे पर उनाव गांव के पास उनकी वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में रामलाल कुमावत (50), उनकी बेटी कोमल (30), बेटा कैलाश (25), मां मथुरा देवी (70), 3 वर्षीय आयुष की मौत हो गई थी। इनके अलावा छह अन्य लोग घायल हो गए, जिनको गुजरात के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रविवार सुबह गांव में कोमल और उनके तीन साल के बेटे आयुष का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। कोमल के पिता रामलाल, कैलाश (रामलाल के बेटे) और मथुरा देवी रामलाल की मां का दूसरी चिता पर एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जीप ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

एक युवक घायल, हादसे के बाद ड्राइवर फरार हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना इलाके में माइंस घाटी साबली के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार माण्डवा बियोला निवासी संजय पुत्र हुरजी कलासुआ अपने साथी विनोद पुत्र हीरालाल निवासी मांडवा भैराभाई के साथ बाइक पर शिशोद की ओर जा रहा था। माइंस घाटी साबली के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। विनोद को सामान्य चोटें आईं। हादसे के बाद बोलेरो ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। संजय की हालत गंभीर होने पर उसे डूंगरपुर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार संजय के दाहिने पैर और एक हाथ में गंभीर चोटें आई थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बोलेरो ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

बीकानेर से एजीटीएफ ने तीन साल से फरार इनामी तस्कर को पकड़ा

बीकानेर/जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत तीन साल से फरार पन्द्रह हजार रूपये के इनामी शराब तस्कर बनवारी लाल विश्नोई उर्फ अभिषेक निवासी रासीसर थाना नोखा जिला बीकानेर को धर दबोचा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एजीटीएफ के कांस्टेबल मगनाराम की पुख्ता सूचना पर हुई। इनपुट था कि लंबे समय से वांछित अपराधी बनवारीलाल अपने पैतृक क्षेत्र बीकानेर में देखा गया है। सूचना मिलते ही एसपी ज्ञानचंद यादव व एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फूलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित कर बीकानेर रवाना की गई। पुलिस टीम जब बीकानेर के नोखा पहुंची तो पता चला कि आरोपी गांव के पास ही बस स्टैंड पर मौजूद है। जैसे ही बनवारी लाल ने पुलिस की गाड़ियां देखीं, उसने भागने का प्रयास किया। लेकिन पहले से मुस्तैद एजीटीएफ और स्थानीय नोखा पुलिस की टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। दबोचे जाने के बाद आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना सिणधरी जिला बालोतरा पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी बनवारीलाल उर्फ अभिषेक का नेटवर्क काफी बड़ा है। वह पंजाब से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रकों के जरिए गुजरात सप्लाई करता था। जुलाई 2023 में सिणधरी पुलिस ने एक ट्रक पकड़ा था, जिसमें 924 कार्टून अवैध शराब और 183 कार्टून बीयर बरामद हुई थी। बनवारीलाल खुद ट्रक लोड करवाता था और ड्राइवर राजूराम के जरिए सप्लाई भेजता था। वह पिछले 3 सालों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

डीएसपी फूलचंद टेलर के नेतृत्व में अंजाम दी गई इस कार्रवाई में एएसआई राकेश जाखड़ कांस्टेबल मगनाराम (मुख्य सूचनाकर्ता), सुनील और सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। एजीटीएफ अब प्रदेश के अन्य बड़े गैंगस्टरों और तस्करों की लिस्टिंग कर उनकी घेराबंदी में जुटी है।

रामगढ़ व मुकुन्दरा में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की तैयारी शुरू

बूंदी, (निसं)। रणथंभौर की बाघिन टी-114 के तीन वर्षीय बाघ-बाघिन भाई-बहिन एमटी-7 व आरवीटी-7 को एनटीसीए से हरी झंडी मिलने के साथ ही 5 हेक्टेयर के शॉफ्ट एनक्लोजर से चरणबद्ध तरीके से खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

- **बाघिन एमटी-7 को रेडियो कॉलर पहनाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में शिफ्ट किया**
- **बाघ आरवीटी-7 को भी बड़े एनक्लोजर में शिफ्ट करने की तैयारी शुरु की**

रणथंभौर में बाघ-बाघिन को खुले जंगल में छोड़ने की कार्यवाही शुरू की।

मुकुन्दरा के फील्ड डायरेक्टर सुगनाराम जाट की देखरेख में शनिवार को डॉ. तेजेन्द्र सिंह रियाड़ की टीम ने बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर रेडियो कॉलर लगाकर 21 हेक्टेयर के एनक्लोजर में छोड़ा है। एनक्लोजर को नेट लगाकर अपारदर्शी बनाया गया है। गौरतलब है कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने हाड़ौती के दोनों टाइगर रिजर्व में बाघों के रिवाईल्ड होने के प्रस्ताव को चरणबद्ध तरीके से अनुमोदित कर दिया था। मुकुन्दरा में स्थित बाघिन एमटी-7 को 5 हेक्टेयर के बाड़े की जगह 21 हेक्टेयर के बाड़े में छोड़ा गया है और अब रामगढ़ में भी बाघ आरवीटी 7 को एनक्लोजर के नजदीक के बड़े बाड़े में छोड़ने की तैयारी है। कुछ दिन दोनों बाघों के व्यवहार का अध्ययन कर उन्हें जल्दी ही खुले जंगल में छोड़ा जाएगा।

धौलपुर : पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख की नकदी बरामद

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के सैंपऊ कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा की गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद हुए। मामला कंचनपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां नियमित गश्त के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया।

- **पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे**

पुलिस के अनुसार कंचनपुर थाना पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस को शक हुआ और टीम ने तुरंत पीछा कर वाहन को रुकवाया। तलाशी लेने पर गाड़ी से 22 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। वाहन में सवार व्यक्ति की पहचान सैंपऊ नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अर्जुन कुशवाहा के रूप में हुई। पूछताछ में अर्जुन कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि यह राशि वह सिंचाई विभाग के एईएन तपेंद्र मीणा से लेकर आ रहे थे। हालांकि इतनी बड़ी नकद राशि के संबंध में मौके पर कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस को मामला प्रथमदृष्टया संदिग्ध लगा, जिसके बाद गाड़ी और बरामद नकदी को जब्त कर लिया गया। कंचनपुर थाना पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की सूचना उच्च अधिकारियों को दी। साथ ही आयकर विभाग को भी मामले की जानकारी भेजी गई है, ताकि नकदी के स्त्रोत और उपयोग की जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि यह स्पष्ट किया जा रहा है कि इतनी बड़ी राशि किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में लाई जा रही थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक हलकों में भी हलचल देखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। आवश्यक दस्तावेज और संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और आयकर विभाग की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

कोटा में युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक 40 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड़ कर लिया। सूचना पर मौके पर पहंची पुलिस ने जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार मृतक सिक्यूरिटी गार्ड का काम करता था। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। कुन्हाड़ी थाना इंचार्ज कौशल्या ने बताया कि इलाके के कृष्णा विहार निवासी जितेन्द्र (40) जो गार्ड की नौकरी करता था, जिसने घर में ही फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना इंचार्ज ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हादसे में बाइक चालक घायल

निवाई, (निसं)। रविवार को अज्ञात वाहन ने झिलाय रोड़ नई पुलिया पर एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार श्रीराम अग्रवालघायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

अनैतिक गतिविधियों का पर्दाफाश

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम (डीएसटी) ने अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सीमलवाड़ा कस्बे में एक दुकान की आड़ में चल रहीं नैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दुकान संचालक और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। डूंगरपुर डीएसपी और जांच अधिकारी तपेंद्र मीणा ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि सीमलवाड़ा स्थित एक दुकान में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। सूचना की पुष्टि होने के बाद सीमलवाड़ा डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक रणनीति तैयार की। पुलिस ने इस अवैध कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए एक बोगस ग्राहक को दुकान पर भेजा। जैसे ही दुकान संचालक ने सौदा तय किया और बाहर तैनात पुलिस टीम को इशारा मिला, टीम ने तुरंत दुकान पर दबिश दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से दुकान संचालक भंवर सिंह राव और पश्चिम बंगाल की एक महिला को गिरफ्तार किया है।

टोंक में जंगली जानवरों ने 10 भेड़ों को मारा

टोंक, (निसं)। जिले के अलीगढ़ क्षेत्र के बरूधन गांव में शनिवार रात अज्ञात जंगली जानवरों ने बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला कर दिया। वहीं हमले में 10 भेड़ों की मौत हो गई, आठ गंभीर घायल हैं और तीन भेड़ें लापता हो गई। घटना का पता रविवार सुबह भेड़ों के मालिक को चला।

पीड़ित रामकल्याण गुर्जर ने बताया कि शनिवार रात अन्य दिनों की तरह भेड़ों को घर के पास बने बाड़े में बंद किया था, सुबह उठकर देखा तो कई भेड़ें लहूलुहान हालत में पड़ी थी। हमले में मरी 10 भेड़ों को जंगली जानवर आधे से ज्यादा खा चुके थे। आठ भेड़ें गंभीर घायल मिली। तीन भेड़ों के बारे में आशंका है कि जंगली जानवर उन्हें उठाकर ले गए। घटना के की सूचना रविवार को वन विभाग को दी गई। बाद में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक छोटू लाल बैरवा के निर्देश पर पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे। मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर निस्तारण किया गया और घायल भेड़ों का इलाज शुरू किया गया। पटवारी ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान की रिपोर्ट तैयार की।

बूंदी में बिन बरसात चल पड़ा भीमलत जलप्रपात

रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भीमलत जलप्रपात पूरे वेग से गिर रहा है।

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में विश्व प्रसिद्ध भीमलत जलप्रपात इन दिनों बिन बरसात भी पूरे वेग से गिर रहा है।

जलप्रपात के ऊपर बने भीमलत बांध से पानी की निकासी के कारण यह जलप्रपात सर्दियों में भी देशी विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। राजस्थान में यह एक मात्र ऐसा झरना है, जो पूरे साल चलता रहता है। बांध से छोड़ा गया पानी झरने के रास्ते भीमलत वैली में होते हुए नीचे बने अभयपुरा बांध में पहुंचता है, जहां से नहरों में जलप्रवाह किया जाता है। इस साल बारिश अधिक होने से बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है और रविवार सुबह तक पानी का स्तर 25 फीट था।

प्रदेश में 350 बीएड कॉलेजों में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्सेज में प्रवेश पर रोक लगी

चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के लगभग 350 बीएड कॉलेजों में संचालित चार वर्षीय बीए-बीएड और बीएससी-बीएड इंटीग्रेटेड कोर्सेज में इस साल प्रवेश नहीं दिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की सख्ती के बाद में कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) कोर्स संचालित करने के लिए पॉलिसी ड्राफ्ट का परिपत्र जारी कर दिया है। इसे आगामी सप्ताह लागू करने की संभावना है।

- **एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है, वहीं आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है**

उधर, नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने भी पीटीईटी-2026 के चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्सेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की है, जबकि बीएड के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 20 फरवरी से शुरू कर दी है।

सरकार ने एनसीटीई के निर्देशों पर पिछले साल भी दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम पर रोक लगा दी थी। जिस पर नोडल एजेंसी ने चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स के आवेदन शुरू किए थे, लेकिन बाद में आवेदन रोकने पड़े, मगर बाद में बीएड कालेज संचालकों की मांग पर राज्य सरकार ने पिछले साल 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश के लिए शिथिलता के आदेश दिए थे।

प्रदेश में दो वर्षीय बीएड में करीब 1 लाख 7 हजार 760 सीटें हैं। बीए-बीएड कोर्स में 23 हजार 50 सीटें और बीएससी-बीएड में 20 हजार 900 सीटें उपलब्ध हैं। पिछले दो सत्रों में दो व चार वर्षीय बीएड की करीब 50 प्रतिशत सीटें नहीं भर पाई थी।

बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए नोडल एजेंसी ने पीटीईटी -2026 के ऑनलाइन आवेदन 20 फरवरी से शुरू कर दिए हैं। दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 20 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 14 जून को आयोजित की जाएगी।

एनसीटीई इस बार 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स की जगह आईटीईपी शुरू करने को सख्त है। एनसीटीई ने शिक्षा सत्र 2025-26 में आईटेप की मान्यता के लिए 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खोल रखा है।

हालांकि आईटीईपी के लिए प्रदेश के अनेक बीएड कॉलेजों ने आवेदन भी कर रखा है। मगर अब तक एनसीईआरटी क्षेत्रीय संस्थान अजमेर, केंद्रीय विश्वविद्यालय किशनगढ़, संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर सहित आईआईटी जोधपुर आदि संस्थानों को ही मान्यता दी गई है।

जानलेवा हमले करने का फरार आरोपी 1 साल बाद गिरफ्तार

जयपुर। खोरा बीसल थाना पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोप में एक साल से वांछित चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से फरारी के समय सहयोग करने वालों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी हुई है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि वांछित व इनामी बदमाशों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसके लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री पार

जयपुर। प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदल रहा है। अब सुबह-शाम की सर्दी का असर कम होने लगा है और दिन में तेज धूप के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शनिवार को राज्य के 10 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच गया, जिससे दिन में गर्मी का अहसास होने लगा है।

मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में राज्य के अधिकांश इलाकों में आसमान साफ रहा और दिनभर अच्छी धूप खिली रही। सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा चित्तौड़गढ़ में 31.2, फलोदी में 31.8, बीकानेर में 31.2, जैसलमेर में 31.5 और पाली जिले के जवाई बांध क्षेत्र में 31.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। डूंगरपुर और फतेहपुर (सीकर) में 30-30 डिग्री, लूणकरणसर में 30.9 और चूरू में 30.4 डिग्री तापमान मापा गया।

जलमहल की पाल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक और सारंग हेलिकॉप्टर्स का रोमांचक प्रदर्शन

मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने वायु सेना के शौर्य एवं कौशल को सराहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम में शिरकत की।

जल महल पर खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। टीम ने सारंग स्पिलिट, एरोहैड, डॉल्फिन लीप, लेवल क्रॉस, हाई स्पीड क्रॉस, क्रॉस ओवर ब्रेक, डायमंड एवं इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी अनेक आकृतियां आसमान में बनाई। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने इन्वर्टेड रन, बैरल रोल, बॉम्ब बर्स्ट, डीएनए संरचना जैसी अनेक आकृतियां के साथ आसमान में दिल बनाकर वायु सेना की ओर से जयपुरवासियों का अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों टीमों द्वारा कॉकपिट से "खम्मा घणी" और "राम-राम सा" का उद्घोष जनता के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

- **आर्मी-डे परेड के बाद यह कार्यक्रम जयपुर के लिए गर्व की बात हैं, ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित करते हैं : भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर्स के हैरतअंगेज करतब देखे। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर की धरती पर यह आयोजन गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड के भव्य एवं सफल आयोजन के बाद वायु सेना की ओर से आयोजित इस अद्भुत कार्यक्रम से यह साबित हुआ है कि जयपुर ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेना का गौरव लगातार बढ़ रहा है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर वायु सेना के अद्भुत पराक्रम एवं भारत की सुरक्षा मज़बूत हाथों में होने का परिचायक है। हमारी वायु सेना सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं और महामारी में भी लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने अद्वितीय हवाई कौशल और उत्कृष्ट करतबों से मंत्रमुग्ध करती है। भारतीय वायुसेना के एम्बेसडर्स सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वॉड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही हैं। इन पायलट्स ने वर्षों की कठिन मेहनत, अटूट अनुशासन और असाधारण कौशल के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

शर्मा ने कहा कि यह आयोजन नागरिक और सेना के बीच अटूट रिश्ते का उत्सव है। इस तरह के आयोजन से युवाओं के मन में सेना में जाने का संकल्प जन्म लेता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय गौरव और रक्षा सेवाओं के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह मौजूद थे।

"भारत की विश्व विरासत : राजस्थान" प्रदर्शनी शुरू

जयपुर। राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत की ओर से रविवार को जवाहर कला केंद्र में "भारत की विश्व विरासत: राजस्थान" प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत के महानिदेशक संजय रस्तोगी तथा जवाहर कला केन्द्र के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. अनुराधा गोगिया ने किया।

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण यूनेस्को द्वारा सूचीबद्ध राजस्थान के पहाड़ी दुर्ग-चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, रणथंभौर, आमेर, जैसलमेर और गागरोन-रहे, जो राजपूत शौर्य, सामरिक कौशल और स्थापत्य उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। इसके अतिरिक्त जंतर मंतर तथा जयपुर का ऐतिहासिक नगर भी प्रदर्शनी में प्रमुखता से शामिल किए गए, जो भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और सुविचारित शहरी नियोजन परंपरा को प्रतिबिंबित करते हैं।

प्रदर्शनी में रानी पद्मिनी, मीराबाई, महाराणा प्रताप और राणा कुम्भा जैसी ऐतिहासिक विभूतियों को अभिलेखीय दस्तावेजों एवं व्याख्यात्मक पैनलों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। धुंधाड़, मारवाड़, मेवाड़, हाडौती सहित राजस्थान के विविध सांस्कृतिक अंचलों की समृद्ध परंपराओं को भी प्रभावशाली रूप से प्रदर्शित किया गया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के गतिशील मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने अनेक नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है। लगभग 30 से 35 विषयगत पोर्टल प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, राजस्थान का गौरवशाली इतिहास तथा राज्य में प्रदर्शित शौर्य, उदारता और वीरता को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि, हर रेत का टीला, हर सुर, हर पत्थर अपनी एक अलग कहानी कहता है, जो इस भूमि की स्मृतियों, परंपराओं और स्मारकों में निहित गहन ऐतिहासिक चेतना को दर्शाता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार की प्रदर्शनी अभिलेखीय शोध और जनसामान्य के बीच सेतु का कार्य करती है तथा विशेष रूप से युवाओं को इतिहास से जोड़ती है।

सार-समाचार

द्वितीय स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

जयपुर। श्रीमाथुर चतुर्वेदी महापरिषद रजि. के द्वितीय स्थापना दिवस पर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक जयपुर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक मिलाप नगर जयपुर में किया गया। कार्यक्रम में 11 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में अनुप्रिया चतुर्वेदी, डॉ. केयूर चतुर्वेदी, विनायक चतुर्वेदी, शशांक चतुर्वेदी, ऋतुराज पाठक और शुभम चतुर्वेदी आदि शामिल रहे। शिविर का उद्घाटन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, प्रदेश अध्यक्ष हृदेश चतुर्वेदी, डॉ. लोकेश चतुर्वेदी और ब्लड बैंक के निदेशक आनन्द अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर जिला संरक्षक पंकज भूषण चतुर्वेदी, यतीन्द्र चतुर्वेदी, नरेंद्र चतुर्वेदी, अध्यक्ष अलकेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष सुनील चतुर्वेदी, सह महामंत्री अनूप चतुर्वेदी, महिला प्रकोष्ठ अनुप्रिया चतुर्वेदी, संगठन मंत्री राकेश रंजन चतुर्वेदी और विमलेश चतुर्वेदी, युवा प्रकोष्ठ शुभम चतुर्वेदी, संयुक्त मंत्री नवीन चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष सीए मोहित चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी रमाकांत चतुर्वेदी, योगेश चतुर्वेदी, सीमंतनी चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारी तथा समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

गुप्ता ने उपमुख्यमंत्री को भेंट की पुस्तक

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को आज उनके सिविल लाइन्स स्थित आवास पर जयपुर के प्रख्यात चित्रकार एवं लेखक चंद्रप्रकाश गुप्ता ने अपनी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक शौर्य और शहादत को सलाम की प्रति भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने पुस्तक के विषयवस्तु की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र के वीर सपूतों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित ऐसी कृतियाँ नई पीढ़ी में देशभक्ति एवं प्रेरणा का संचार करती हैं। उन्होंने लेखक को इस महत्वपूर्ण कृति के प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ प्रदान कीं इस अवसर पर राहुल लाडला (माहेश्वरी) भी उपस्थित थे।

'रस रंग बरसे' कार्यक्रम में सुरों की फुहार

जयपुर। फागुन की रंगत में डूबी संगीतमय संध्या 'रस रंग बरसे' ने रविवार को महाराणा प्रताप सभागार को सुरों और उत्साह से भर दिया। कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के नामचीन गायकों ने होली और प्रेम के गीतों से श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम से पहले हाई टी के दौरान ही उत्सव का माहौल बन चुका था। संध्या की विशेष प्रस्तुति शंकर गर्ग की रही। उन्होंने मुंह से ही घुंघरू की ध्वनि निकालकर ऐसा समां बांधा कि सभागार तालियों से गूंज उठा। उनकी इस अनोखी शैली ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम की यादगार झलक बन गई। मुकेश पारिक ने 'भोले ओ भोले' से शुरुआत की। पिंकी सूरी देवाना ने 'जारे जा ओ हरजाई', राजेन्द्र परनामी ने 'पुकारता चला हूं मैं' और मनोज ममनानी ने 'होलियां में उडे रे गुलाल' से फागुनी रंग बिखेरे। प्रियंका काला ने 'पिया तोसे नैना लागे रे', भारती शर्मा ने 'जवाँ है मोहब्बत' और सुमन माथुर ने 'भोर भई पनघट पे' को सुरों से सजाया।

चलती बस में युवक से जहरखुरानी की वारदात

आरोपी ने पीड़ित को नशीला बिस्कुट खिलाकर दिया वारदात को अंजाम

जयपुर। विधायकपुरी इलाके में चलती बस में नशीला बिस्किट खिलाकर जहर खुरानी की वारदात सामने आई है। शातिर बदमाश ने बेहोशी की हालत में पीड़ित की जेब से तीन लाख रुपए व मोबाइल निकाल लिया और फरार हो गया। जहरखुरानी के शिकार पीड़ित को हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। होश में आने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात बमदाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश जारी कर दी है।

थानाधिकारी नरेन्द्र कुमार ने बताया की गलतागेट के बासबदनपुरा निवासी अबरार मोहम्मद (47) 20 फरवरी को वह प्राइवेट बस से दिल्ली से जयपुर आने के लिए बैठे थे। इसी दौरान पास वाली सीट पर एक शातिर बदमाश यात्री बन कर बैठ गया और चलती बस में जान-पहचान निकाल कर बातचीत शुरु कर दी। शातिर बदमाश ने पीड़ित को नशीला बिस्किट खाने के लिए दिया, मना करने पर आरोपी ने काफी दबाव बनाया। बिस्किट खाते ही अबरार मोहम्मद को बेहोशी छाने लगी। कुछ देर बाद ही पीड़ित अबरार बेहोश हो गया। इसी दौरान शातिर बदमाश अबरार की जेब में रखे 3 लाख रुपए और मोबाइल फोन निकालकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि बस स्टाफ ने सभी सवारियों को उतरने के बाद परिवहन मार्ग रोडवेज कार्यालय में बस लगा दी।

- **शातिर बदमाश कैश, मोबाइल समेत तीन लाख रुपए लेकर फरार**
- **पीड़ित रोडवेज ऑफिस पहुंचा तो बस स्टाफ ने कराया अस्पताल में भर्ती**

डोटासरा-जूली ने पुन: साबित किया कांग्रेसियों का झूठ बोलो और भाग जाओ वाला चरित्र : चतुर्वेदी

'कांग्रेसी नेता चेहरा बेनकाब होने के डर से सदन से भागे, चाहते तो 16 से 21 फरवरी तक दर्ज करा सकते थे आपत्ति'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेताओं के चाल, चरित्र और चेहरे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं का चरित्र झूठ बोलो और भाग जाओ का रहा है। हाल ही में राजस्थान विधानसभा में हुए घटनाक्रम ने एक बार फिर इसे साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने चेहरे से नकाब हटने के डर से लोकतंत्र की हत्या की, झूठ बोला, हंगामा किया और 8 करोड़ प्रदेशवासियों के धन का दुरुपयोग करते हुए सदन का समय नष्ट किया। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एक बार फिर अपने ही दल के षड्यंत्र में फंसते नजर आए। गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने सदन में हंगामा कर जूली को बोलने से रोकने का प्रयास किया, जो कांग्रेस की आंतरिक कलह को दर्शाता है।

- **कांग्रेस के 5 साल में 4148 घोषणाएं, 2208 करीबन 53 प्रतिशत घोषणाएं पूरी ही नहीं की गई। जबकि भाजपा के संकल्प पत्र की 73 फीसदी, बजट घोषणाओं की 80 फीसदी घोषणाएं पूर्ण या प्रगतिरत : चतुर्वेदी**

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रदर्शन लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड सदन में प्रस्तुत कर तुलनात्मक बहस की चुनौती दी थी, लेकिन कांग्रेस के पास जवाब न होने के कारण उन्होंने सदन में हंगामा कर कार्यवाही बाधित की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज 'सरकार 2 वर्ष प्रगति एवं उत्कर्ष 2024-25-26' को 16 फरवरी को कार्य सलाहकार समिति की बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष रखा गया था। इसके बाद 16 फरवरी से 21 फरवरी तक यह दस्तावेज सभी विधायकों को उपलब्ध कराया गया। इसके बावजूद कांग्रेस ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। जब 21 फरवरी को इस विषय पर चर्चा शुरू हुई तो कांग्रेस ने हंगामा कर सदन की कार्यवाही बाधित की। चतुर्वेदी ने कहा कि यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि कांग्रेस का आचरण लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और वह तथ्यों पर बहस से बचने का प्रयास कर रही है।

चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र-2023 के 392 बिंदुओं में से लगभग 285, यानी करीब 73 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं या कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार भाजपा सरकार की बजट घोषणाओं में से लगभग 66 प्रतिशत घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं या प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने दो वर्षों में 2719 बजट घोषणाएं कीं, जिनमें से 90 प्रतिशत की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं और 80 प्रतिशत घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं। इसके विपरीत, पिछली कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 4148 घोषणाएं की थी, जिनमें से 2208 (लगभग 53 प्रतिशत) पूरी नहीं हो सकीं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने अंतिम वर्ष 2023-24 में 1426 घोषणाएं कीं, जिनमें से 1142 (करीब 80 प्रतिशत) पर कोई कार्य नहीं हुआ। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक उपस्थित रहें।

एआई कर रहा चेहरे की पहचान : खुल रही डमी कैंडिडेट एवं अन्य अपराधियों की जन्मकुंडली

एआई-बेस्ड चैटबॉट सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद राजस्थान सरकार ने अब एडवांस्ड कंप्यूटर विजन-आधारित एआई एप्लिकेशन को डिप्लॉय कर बड़ी छलांग लगाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जहां देश के दूसरे राज्य अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यात्रा की शुरुआत चैटबॉट-बेस्ड प्लेटफॉर्म से कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इस मामले में काफी आगे बढ़ चुकी है। एआई-बेस्ड चैटबॉट सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद राजस्थान सरकार ने अब एडवांस्ड कंप्यूटर विजन-आधारित एआई एप्लिकेशन को डिप्लॉय कर बड़ी छलांग लगाई है। प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने जटिल फेस सिमिलैरिटी सर्च तकनीक में दक्षता प्राप्त कर इसे शासन एवं कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में लागू किया है, जिसके सुखद नतीजे सामने आने लगे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि विभाग के के सॉफ्टवेयर डवलपमेंट सेंटर द्वारा विकसित कंप्यूटर विजन-आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फेस सिमिलैरिटी सर्च समाधानों की सिरीज को सफलतापूर्वक डिप्लॉय किया है। यह अनूठी एआई प्रणाली प्रदेश में सार्वजनिक सेवा प्रदायगी, कानून प्रवर्तन सहयोग तथा नागरिक सुरक्षा हेतु एडवांस टेक्नोलॉजी के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थियों की घटनाओं से संबंधित उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु विभाग ने एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम विकसित किया है। इस एप्लिकेशन की मदद से संदिग्ध अभ्यर्थी के फोटोग्राफ का पंजीकृत

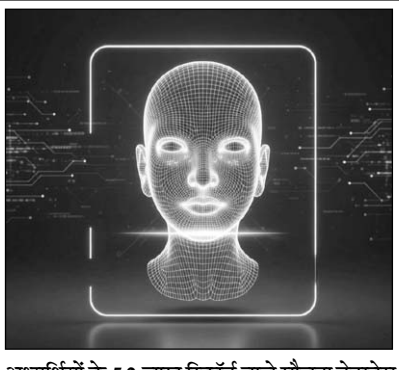

अभ्यर्थियों के 50 लाख रिकॉर्ड वाले मौजूदा डेटाबेस से मिलान संभव हो रहा है। उच्च-सटीकता वाले फेस सिमिलैरिटी मिलान के माध्यम से संभावित डमी कैंडिडेट के मामलों की पहचान करने में एजेंसियों को सफलता भी मिल चुकी है। यह एआई पहल सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता एवं शुचिता को सुदृढ़ कर रही है तथा पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा कानून प्रवर्तन एवं अपराध अन्वेषण एजेंसियों की सहायता हेतु एक अन्य एआई-संचालित फेस सिमिलैरिटी सर्च सिस्टम भी डिप्लॉय किया गया है, जो प्रदेश में विभिन्न मामलों में आदतन अपराधियों की पहचान में सहायक हो रहा है। इसकी मदद से अभियुक्त की छवियों का 10 लाख फोटो युक्त रिकॉर्ड वाले आपराधिक डेटाबेस से मिलान किया जा सकता है। इससे अनेक अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान आसान हो रही है। यह एआई-संचालित प्रणाली एजेंसियों की पैटर्न पहचान, आदतन अपराधियों की निगरानी एवं जांच में तीव्रता लाने में मददगार साबित हो रही है।

मानवीय एवं जनसेवा पहल के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग ने एक ऐसा फेस सिमिलैरिटी सर्च समाधान लागू किया है, जो लावारिस शवों की पहचान हेतु गुमशुदा व्यक्तियों, आपराधिक एवं अन्य डेटाबेस से मिलान करने में सहायता करता है। इस एप्लिकेशन के माध्यम से अज्ञात शवों के फोटोग्राफ का गुमशुदा व्यक्तियों एवं अन्य इमेज डेटाबेस से मिलान किया जा सकता है। यह पहल सामाजिक प्रभाव एवं जनकल्याण हेतु एडवांस एआई तकनीक के संवेदनशील एवं मानवीय उपयोग को प्रदर्शित करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा विकसित ये सभी एआई एप्लिकेशन अत्याधुनिक एवं उच्च-सुरक्षित राजस्थान स्टेट डेटा सेंटर में एयर-गैप्ड वातावरण में डिप्लॉय की गई हैं। साथ ही इनके ऑडिट लॉगिंग एवं ट्रेसबिलिटी, डेटा संरक्षण एवं गोपनीयता सुरक्षा उपाय तथा नैतिक एवं उत्तरदायी एआई उपयोग को पूरी तरह सुनिश्चित किया गया है। राजस्थान सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग नवाचार-प्रेरित परिवर्तन को आगे बढ़ाने तथा विभागों एवं एजेंसियों को स्केलेबल, सुरक्षित एवं प्रभावशाली डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

नव दंपत्तियों ने किया देहली वंदन और हवन

जयपुर। छोटी-छोटी बातों को लेकर बढ़ रहे तलाक के प्रकरणों और परिवारों में बिखराव की चिंताओं के बीच रविवार को गोविंद देव जी मंदिर में एक प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पिछले दिनों परिणय सूत्र में बंधे एक दर्जन से अधिक नव दंपत्तियों को मंदिर में आमंत्रित कर सफल गृहस्थ जीवन पर प्रेरक उद्बोधन दिया गया। सुखी दाम्पत्य जीवन की मंगल कामना के उद्देश्य से रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में देहली वंदन कर ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में नव दंपत्तियों को ठाकुर जी का चित्र, प्रसाद, दुपट्टा भेंट कर सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोविंद देव जी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने मां गायत्री, ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, गुरुसत्ता के षोडशोपचार पूजन के साथ की। इसके बाद गायत्री महायज्ञ में विशिष्ट हवन सामग्री से आहुतियां प्रदान कर नव दंपत्तियों के सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य की कामना की गई।

गायत्री कचोलिया ने भारत की परिवार व्यवस्था ही रत्नों की खान है...प्रज्ञा गीत से पारिवारिक मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। वर्षा गुप्ता ने सुखी दाम्पत्य जीवन के सूत्र बताए। भक्त भूषण और वर्मा नीलम वर्मा ने गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया। नव दंपति ने विवाह से जुड़ी प्रतिज्ञाओं का दोहरान किया।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा प्रवास पर पंचकुला में शिष्टाचार भेंट की।

सरदारशहर में उपजिला अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर की भूमि को लेकर विवाद

सरदारशहर (निसं)। उपजिला अस्पताल सरदारशहर एवं ट्रॉमा सेंटर के निर्माण को लेकर भूमि चयन पर नया विवाद खड़ा हो गया है। क्षेत्र के नागरिकों ने राजस्थान सरकार को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर का निर्माण पूर्व में आवंटित भूमि पर ही किया जाए।

ज्ञापन में बताया गया है कि राजस्थान सरकार द्वारा उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के लिए बजट स्वीकृत किया जा चुका है। 24 जुलाई 2023 के आदेश के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सरदारशहर में

- नागरिकों ने पूर्व आवंटित जमीन पर निर्माण की मांग उठाई

सरदारशहर में उपजिला अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर की पूर्व आवंटित जमीन पर निर्माण की मांग उठाई।

खसरा संख्या 775/594 (लगभग 3.2800 हेक्टेयर) भूमि उपजिला अस्पताल हेतु तथा खसरा संख्या 776/594 (लगभग 0.2300 हेक्टेयर) भूमि ट्रॉमा सेंटर हेतु निःशुल्क आवंटित की गई थी।

नागरिकों का कहना है कि यह भूमि राजकीय कन्या महाविद्यालय के सामने, दिल्ली-बीकानेर मेगा हाईवे और प्रमुख सड़कों के निकट स्थित है, जिससे शहर व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन सुगम रहेगा। उन्होंने इसे अस्पताल निर्माण के लिए उपयुक्त, सुविधाजनक और जनहितकारी बताया है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 25 अप्रैल 2025 को एक अन्य प्रस्ताव के तहत इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र की भूमि (खसरा संख्या 665/367) पर अस्पताल निर्माण का प्रस्ताव दिया गया है। नागरिकों का आरोप है कि उक्त भूमि औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित है, जहां विभिन्न फैक्ट्रियां संचालित हैं। इससे वायु एवं ध्वनि प्रदूषण का खतरा बना रहता है, जो मरीजों के स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल हो सकता है। साथ ही यह क्षेत्र शहर से दूर होने के कारण आपात स्थिति में पहुंचना कठिन हो सकता है।

क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन में यह भी कहा है कि पूर्व आवंटित भूमि के आसपास विभिन्न समाजों की आबादी निवास करती है और वहां अस्पताल बनने से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। ज्ञापन पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने हस्ताक्षर कर प्रशासन से जनहित में उचित निर्णय लेने की मांग की है।

नागरिकों ने मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री, जिला कलेक्टर एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से पूर्व आवंटित भूमि पर ही उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की अपील की है।

श्रमदान कर स्वच्छ जल स्वच्छ मन का संदेश दिया

चूरू (निसं)। संत निरंकारी मंडल जोन 19 ए चूरू में प्रोजेक्ट अमृत के चतुर्थ चरण के अंतर्गत रविवार को निरंकारी सत्संग भवन और उसके आसपास के क्षेत्र में जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर सत्संग निरंकारी मण्डल के सेवा दल और निरंकारी महात्माओं द्वारा मिलजुलकर श्रमदान किया गया।

जल संरक्षण के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जल केवल संसाधन नहीं जीवन का आधार और ईश्वर की अमूल्य देन है। जोनल इंचार्ज शिव भगवान बजाज ने बताया कि जल को सुरक्षित साफ सुथरा रखना हमारी नैतिक जिम्मेवारी है। बाबा हरदेव सिंह की प्रेरणास्पद शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का सूत्रपात किया गया था यह जल संरक्षण एक विशेष दिवस तक सीमित ना करके हर दिन हमारे जीवन शैली का एक अंग बन जाए इसी दिव्य संदेश को देने के लिए सभी महात्माओं के द्वारा सेवा कार्य किया गया। सत्संग में सतगुरु बाबा हरदेव सिंह की दिव्य शिक्षाओं को सत्संग में साझा करते हुए बताया कि प्रदूषण भीतर और बाहर दोनों जगह ही नहीं होना चाहिए और हमें इस धरती का श्रृंगार करके रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। सेवा सत्संग और सुमिरन के माध्यम से इस धरती को स्वर्ग बनाए और अपने जीवन को भी सफल बनाएं।

एक रुपया व नारियल में विवाह संपन्न हुआ

सुजानगढ़ (कासं)। बीदासर तहसील के बाढ़सर गांव में संपन्न हुआ एक विवाह समारोह सामाजिक जागरूकता और आदर्श की मिसाल बन गया। बाढसर निवासी उद्यमी जगदीश प्रसाद जाखड ने कन्या पक्ष को किसी प्रकार का दहेज नहीं देने का आग्रह किया। दूल्हे अशोक जाखड़ के पिता जगदीश जाखड ने कहा कि केवल पारंपरिक रूप से एक रुपया और नारियल लेकर ही

- पिता की शर्त ने रची नई मिसाल
- दहेज नहीं लेने की शर्त पर रिश्ता किया

बीदासर तहसील के बाढ़सर गांव में एक विवाह समारोह सामाजिक जागरूकता और आदर्श की मिसाल बन गया।

विवाह संपन्न किया जाएगा। परिवार की इस स्पष्ट और सख्त शर्त के बाद ही रिश्ता तय हुआ।

अशोक जाखड, जो पेशे से वेटनरी डॉक्टर हैं, ने भी अपने पिता के निर्णय का समर्थन करते हुए दहेज प्रथा के विरुद्ध संदेश दिया। उनका विवाह कान्ता पुत्री मदनलाल कुल्हडिया रुक्मा देवी निवासी अणखीसर के साथ सादगी और सामाजिक मूल्यों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर चूरू सांसद राहुल कस्वां, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा, विजयपाल चाहर, पूर्व सरपंच महेंद्र डूकिया ने शिरकत की और परिवार के इस निर्णय की सराहना की। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के शिक्षित और जागरूक परिवारों को आगे आना होगा। ग्रामीणों ने भी इस विवाह को एक प्रेरणादायक पहल बताते हुए कहा कि यदि हर परिवार इसी प्रकार संकल्प ले, तो दहेज प्रथा स्वत: समाप्त हो सकती है। बाढसर गाँव की यह शादी अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय है और दहेज मुक्त समाज की दिशा में एक मजबूत संदेश बनकर उभरी है।

सार-समाचार

फागोत्सव मनाया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। रघुनाथ जी के बड़े मन्दिर में शनिवार को लक्ष्मणगढ़ सेवा परिषद द्वारा महिला फागोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक अलका मनोज शर्मा ने बताया कि कस्बे कि लक्ष्मणगढ सेवा परिषद द्वारा मंदिर के महंत अशोक दास महाराज के पावन सानिध्य में ये कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मुंबई की सुप्रसिद्ध गायिका सुषमा जोशी शर्मा मुम्बई, नगर के सुप्रसिद्ध कलाकार पवन शर्मा निर्मल व गायिका ख़ुशी शर्मा द्वारा फाग-गीतों व भजनों से भगवान को रिझाया गया। गायिका सुषमा जोशी के भजनों पर महिलाएं झूम उठी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मनमोहक सीकर भाजपा शहर महामंत्री राज शर्मा व बुलबुल जोशी का राधा-कृष्ण रास नृत्य रहा जिसके पश्चात फूलों की होली खेली गई जिससे आगन्तुक महिलाए झूम उठी। इस अवसर पर श्री रघुनाथ जी मंदिर के महंत अशोक दास महाराज का साफा, दुपट्टा व माला पहना अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ सेवा परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, सचिव दीनदयाल जोशी, उपाध्यक्ष सूर्यप्रकाश महर्षि, सुमन पासोरिया, नीतू ढण्ड, रेखा शर्मा,गायत्री पोडवाल, सरला कुमावत, पूजा सैनी, सीमा शर्मा, सुमन बजाज, सुधा पुरोहित, सरिता शर्मा, कुसुम पुजारी, रीतू बजाज, वीना शर्मा, कुसुम शर्मा, रेणु चितलांगिया , ममता जालान, नीतू जालान, कुसुम नीलिमा शर्मा सहित सैकडों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम संयोजक अलका मनोज शर्मा ने जताया सभी का आभार

अरावली संरक्षण यात्रा हुकूमपुरा धरना स्थल पहुंची

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। अरावली विरासत जन अभियान के बैनर तले अरावली संरक्षण यात्रा 57 दिन से अवैध खनन के खिलाफ चल रहे धरना स्थल पर पहुंची। इस दौरान धरना स्थल पर जबरदस्त नारेबाजी की गई व ढप-चंग बजाकर पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। गुजरात से चलकर करीब 700 किमी के सफर के दौरान अरावली प्रभावित जिलों में भ्रमण करने वाली टीम के लोगों ने हुकूमपुरा, बामलास व गुढ़ा बावनी में चल रहे खनन और क्रेशर इलाके को देखा। उन्होंने एडवोकेट जयंत मूंड के नेतृत्व में हैवी ब्लास्टिंग से टूटे मकानों एवं ध्वस्त ट्यूबवैलों का भी जायजा लिया। मरुसेना के एडवोकेट जयंत मूंड ने बताया कि हम पिछले 57 दिन से कंपकपाती सर्दी एवं मावठ में धरने पर बैठे है। हमारे यहां आवंटित लीज नियमानुसार संचालित नहीं है और हैवी ब्लास्टिंग की वजह से 200 से ज्यादा घर एवं 40 से ज्यादा कुएं ध्वस्त हो गए तथा साथ ही पर्यावरण दूषित हो गया है। हमने इसको लेकर हर प्रशासनिक स्तर पर बात रखी एवं पत्राचार किया। लेकिन कोई भी ठोस कार्यवाही इनके विरुद्ध नहीं हुई। हम हमारे पहाड़, नदी-नाले, प्रकृति व अरावली के वाशिंदों के न्याय के लिए लड़ रहे है। अरावली बचाने के लिए हम माफियाओं के विरुद्ध अंतिम सांस तक लडेंगे। इस मौके पर कैलाश मीणा नीमकाथाना, नीलम अहलुवालिया, रामलाल भट्ट, अशोक चौधरी, कुसुम रावत, दारासिंह मेघवंशी, लीलाधर मीणा, कैप्टन विनोदसिंह, राजबाला सहित सैंकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन मीनू बेनीवाल नोहर पहुंचे

नोहर, (निसं)। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन मीनू बेनीवाल का भाजपा नेता काशीराम गोदारा के यहां पहुंचने परभारत माता आश्रम के महंत रामनाथ अवधूत के सान्निध्य में भाजपा नगरमण्डल अध्यक्ष अभीषेक पारीक एवं पदाधिकारियों और सैकडों कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर काशीराम गोदारा ने कहा कि क्षेत्र का यह सौभाग्य है कि कैप्टन मीनू बेनीवाल गौ-प्रेम के चलते और इनकी दृढ निष्ठा और समर्पण से क्षेत्र की अनेक गौशालाएं पोषित हो रही हैं। गो माता का आशीर्वाद आप पर सदैव बना रहे और आप इसी प्रकार समाज सेवा करते हुए जनकल्याण में निरंतर अग्रसर रहें। कैप्टन मीनू बेनीवाल ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया। गौशालाओं में तुडी चारे की मांग रखे जाने पर उन्होंने तत्काल सहायता प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही जिन अन्य गौशालाओं को तुडी चारे की आवश्यकता है, उनके लिए भी शीघ्र व्यवस्था करवाने का आश्वासन दिया। गौसेवा, राष्ट्रसेवा और जनसेवा के संकल्प के साथ हम सब मिलकर क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर जमाल सरपंच नंदलाल बैनीवाल, फेफाना मण्डल अध्यक्ष ओम प्रकाश बिजारणियां, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अदरीश गौरी, पूर्व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा रमेश बेनीवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र वर्मा, धर्मपाल मान, ओम प्रकाश सुथार, अजीत सिंह राठौड, सुरेंद्र गालड, श्रवण कुमार रैगर,दशरथ गौड,रिछपाल भाकर आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय वनाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई

पाटन (निसं)। पंचायत समिति पाटन की ग्राम पंचायत धांधेला निवासी मनोज कुमार सैनी ने क्षेत्रीय वनाधिकारी पाटन से आवंटित कृषि भूमि से बेदखल नहीं करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि उनके दादाजी बुद्धराम पुत्र मामराज माली के नाम कृषि भूमि खसरा नंबर 835 आवंटित हुई थी, जो धांधेला रोड स्थित राजस्व ग्राम पाटन में स्थित है। सैनी ने यह भी बताया कि उनके दादाजी अशिक्षित होने के कारण उक्त भूमि का नामांतरण खातेदारी में नहीं करवा सके। वर्तमान में उक्त भूमि पर उनके परिवार का कब्जा है तथा वर्षों से खेती-बाड़ी कर आजीविका चला रहा है। भूमि पर एक कमरा निर्मित है तथा तारबंदी भी की गई है।प्रार्थी ने प्रशासन से निवेदन किया है कि बुद्धराम पुत्र मामराज माली के वारिसों को भूमि से बेदखल नहीं किया जाए तथा खातेदारी दर्ज करवाने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया जाए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवंटन प्रतिलिपि, जमाबंदी, पेनल्टी रसीद तथा मिलान खसरा सहित आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए हैं। सैनी ने प्रशासन से मानवीय आधार पर न्याय दिलाने की मांग करते हुए परिवार के भविष्य और आजीविका की सुरक्षा की अपील की है।

अष्टविनायक धाम का स्थापना दिवस मनाया

मुकुंदगढ़, (निसं)। डूंडलोद रोड पर स्थित श्री अष्टिवनायक धाम मंदिर का स्थापना दिवस रविवार को अनेक धार्मिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। मंदिर पुजारी राम के आचार्यत्व में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना पंडित रविकांत शर्मा पंडित शंभूदयाल ने श्री गणेश जी महाराज का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान मंदिर ट्रस्टी अनु अनिल अग्रवाल लोहारू का व शारदा लोहारू के सानिध्य में अभिषेक व विश्व शांति के लिए हवन यज्ञ किया गया। इस अवसर पर मंदिर को सतरंगी लाइट व फूलों से आकर्षक सजाया गया। अष्टिवनायक भगवान का अलौकिक शृंगार किया गया। शाम को विशेष महाआरती कर बाबा को भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

ओळा दंपत्ति ने देहदान का संकल्प लिया

नोहर, (निसं)। साहित्य अकादमी से सम्मानित प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. भरत ओला एवं उनकी शिक्षिका पत्नी सरोज ओला ने गुरुवार को हनुमानगढ़ मेडिकल कॉलेज में देहदान का संकल्प पत्र भरकर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। डॉ. ओला ने कहा, हमने जीवनभर अध्ययन और अध्यापन को अपना धर्म माना है।

हमारी इच्छा है कि मृत्यु के बाद भी हमारा शरीर चिकित्सा शिक्षा के विद्यार्थियों के काम आए, ताकि वे बेहतर डॉक्टर बन सकें और समाज की सेवा कर सकें। सरोज ओला ने भी इस निर्णय को मानवीय मूल्यों से जुड़ा बताया। उन्होंने कहा, शिक्षक का कार्य केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता।

जीवन के बाद भी यदि हमारा योगदान किसी के भविष्य को संवार सके, तो इससे बडा संतोष और क्या हो सकता है। डॉ. भरत ओला साहित्य, भाषा और शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए देशभर में पहचाने जाते हैं। वहीं सरोज ओला ने भी लंबे समय तक शिक्षण कार्य करते हुए अनेक विद्यार्थियों को दिशा दी है।

दोनों का यह निर्णय न केवल चिकित्सा शिक्षा के लिए उपयोगी सिद्ध होगा, बल्कि समाज में देहदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. कीर्ति शेखावत ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया।

मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. सुनील बेनीवाल, डॉ अर्जुन सिंह राठौड़, डॉ. दीपक सहित अधिकारियों का कहना है कि ऐसे संकल्प चिकित्सा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देने में सहायक होते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ भरत ओला और सरोज ओला मूल रूप से भिरानी गांव के निवासी हैं और वर्तमान में नोहर में दिव्यांग बच्चों के लिए होराइजन स्पेशल अकादमी का निःशुल्क संचालन कर रहे हैं।

नाकाबंदी तोड़कर फरार दो ईनामी बदमाश गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के धनूरी थाना पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर फरार हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। थानाधिकारी संजय गौतम के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने दबिश देकर हरियाणा के सिरसा क्षेत्र से दोनों मुख्य आरोपियों को दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विरेंद्र उर्फ पवन कुमार (41) निवासी पनीवाला मोटा, सिरसा (हरियाणा) और रायसिंह उर्फ देवीलाल (38) निवासी खारी सुरेरा, सिरसा (हरियाणा) के रूप में हुई है। गिरोह का एक अन्य सदस्य रविंद्र उर्फ रवि पहले ही पुलिस गिरफ्त में आ चुका है। घटनाक्रम 29 अगस्त 2025 की रात का है। बगड़ पुलिस ने खुडाना तिराहा बाईपास पर ए श्रेणी की नाकाबंदी लगा रखी थी। इसी दौरान एक संदिग्ध सफेद फॉर्च्यूनर आती दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो गाड़ी की रफ्तार धीमी हुई। लेकिन जैसे ही पुलिसकर्मी तलाशी के लिए आगे बढ़े। अगली सीट पर बैठे बदमाश ने अचानक एक काला बैग सडक पर फेंक दिया और ड्राइवर ने एक्सीलेटर दबा दिया। कुछ ही सेकंड में फॉर्च्यूनर पुलिस की नजरों से ओझल हो गई।

पुलिस ने लावारिस बैग खोलकर देखा तो अंदर से 1 पिस्टल मय मैगजीन, 12 जिंदा कारतूस, 29,560 रुपए नकद और 6 चाबियां बरामद हुईं। हथियार और कारतूस मिलने से मामला गंभीर हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच धनूरी थानाधिकारी संजय गौतम को सौंपी गई। उन्होंने विशेष टीम गठित कर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला। सूचना मिली कि आरोपी हरियाणा के सिरसा इलाके में छिपे हैं। टीम ने दबिश देकर दोनों इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं। मुख्य आरोपी विरेंद्र उर्फ पवन के खिलाफ हत्या (धारा 302), आर्म्स एक्ट और जानलेवा हमले सहित 5 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।आरोपी रायसिंह उर्फ देवीलाल के खिलाफ भी अपहरण और मारपीट के मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर वारदातों को अंजाम देने में माहिर माना जाता है।

बर्खास्त चिकित्सकों का प्रदर्शन जारी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के सेवारत चिकित्सक संघ ने एकजुटता दिखाते हुए जिलेभर के 400 चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। जिले के सबसे बडे राजकीय अस्पताल झुंझुनूं के 75 चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर छह माह में छह चिकित्सकों को बर्खास्त करने के विरोध में अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। डॉ. साबू के कथित बर्बरतापूर्ण एवं तानाशाही रवैये की भर्त्सना की गई। अरिसदा चिकित्सकों ने मुख्यद्वार पर अरिसदा अध्यक्ष डॉ. एसए जब्बार के नेतृत्व एवं डॉ. राजेंद्र ढाका महासचिव की अध्यक्षता में रविवार को जीबीएम का आयोजन किया गया। जीबीएम में पीएचसी, सीएचसी, उप जिला अस्पताल एवं जिला अस्पताल समेत 175 संस्थानों में कार्यरत लगभग 400 चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन तेज करने का निर्णय लिया गया है।

सार-समाचार

विराट हिन्दू सम्मेलन में समरसता और राष्ट्रभावना का स्वर गूंजा

रतनगढ़ (निसं)। नगर के सराफों के कुएं के पास स्थित गोदावरी गेस्ट हाऊस में वीर अर्जुन बस्ती के सर्व समाज के नागरिकों द्वारा विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में नौसरिया के संत सीताराम महाराज का पावन सान्निध्य रहा। कार्यक्रम से पूर्व काली टंकी स्थित वीर हनुमान मंदिर से आयोजन स्थल तक मातृ शक्तियों द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद सांखोलिया व सुरेन्द्र हरित ने स्वस्ति वाचन किया।अपने संत उद्बोधन में सीताराम महाराज ने रामचरितमानस के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए आपसी स्नेह, समरसता और सद्भाव से जीवन यापन करने का संदेश दिया।मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग समरसता प्रमुख राजेश सोनी ने संगठन की स्थापना, उद्देश्य और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसता, स्वदेशी, गौ-आधारित पारंपरिक कृषि, कुटुंब प्रबोधन तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण को आवश्यक बताया। गायत्री परिवार की जोनल हेड नीलम गौड़ ने नारी शक्ति और संस्कारों की महत्ता पर प्रेरक काव्य पंक्तियों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इन्द्रचंद कंवल, गौरीशंकर भोभरिया एवं आयोजन समिति अध्यक्ष गोपालकृष्ण शर्मा मंचासीन रहे। गोपालकृष्ण शर्मा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रामदेव चंदनिया ने किया। सम्मेलन में बजरंग लाल कठोड, रघुनाथ प्रसाद शर्मा, आसकरण भाटी, पीरूमल प्रजापति सहित सैकडों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवनिर्मित तुलादान प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

राजलदेसर (निसं)। श्री राजलदेसर गौशाला में गोपाल मंदिर के जीर्णोद्धार एवं तुलादान प्लेटफॉर्म का विधिवत शुभारंभ रविवार को पंडित भानु प्रकाश दाधीच के मंत्रोच्चार के साथ किया गया। गौशाला परिसर में दानदाताओं के सहयोग से तुलादान प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है, जिससे धार्मिक आयोजनों एवं गौसेवा गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। वहीं गौशाला में गुरूजी स्वर्गीय महावीर प्रसाद शर्मा स्वर्गीय शकुंतला देवी की पुण्य स्मृति में परिजनों की ओर से गोशाला में स्थित श्री गोपाल कृष्ण मंदिर के आगे पत्थर निर्मित (श्री सीटर) चार कुर्सियां का भी रविवार को विधिवत पूजा करके शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौशाला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगतमल पाण्डिया, मंत्री ललित दाधीच, सह मंत्री रतनलाल बारुपाल, उपाध्यक्ष भुवनेश्वर शर्मा, मुकेश श्रीमाल, कोषाध्यक्ष परमेश्वर फोगला, सुशील शर्मा, हनुमान सोनी, विनोद भाटिया, विकास मारू, राधेश्याम पांडे, शिवभगवान सोनी सहित गौशाला सदस्य उपस्थित रहे।

गीता पाठ का अभ्यास करवाया

चूरू (निसं)। भास्कर भवन में हर रविवार को नियमित रूप से लगने वाली गीता क्लास में रविवार को गीता पाठ का अभ्यास करवाया गया। कार्यक्रम का शुंभारम्भ दीप प्रज्वल्लित कर किया गया। संजय सिंघानिया ने बताया कि जनार्दन आचार्य के सानिध्य में नियमित रूप से बच्चे गीता पाठ का अध्ययन कर रहे है। रविवार को गीता पाठ के श्लोको का रिविजन करवाया गया। गीता पाठ करने से बच्चों में संस्कार आते है। हर क्लास के बच्चे गीता पाठ का अध्ययन कर रहे है। इस अवसर पर मोहित सिंघानियां, निरंजन आचार्य आदि उपस्थित थे।

19वां परिचय सम्मेलन आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में गौड ब्राह्मण महासभा द्वारा 19वां युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन आगामी 22 मार्च को सुबह 10:15 बजे जयपुर के विद्याधर नगर सेक्टर-4 में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन समाज के युवाओं के लिए वैवाहिक परिचय का एक सशक्त एवं सुव्यवस्थित मंच प्रदान करेगा। गौड ब्राह्मण महासभा के जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक शिवचरण पुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार हरितवाल करेंगे। जबकि आयोजन के मुख्य संयोजक विजय कुमार बसोतिया होंगे। प्रदेश स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं संपर्क की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एवं प्रदेश महामंत्री रामस्वरूप जोशी को सौंपी गई है। जिला स्तर पर जनसंपर्क एवं आवेदन कार्य के लिए आज पुरोहितों की बगीची में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर महमिया, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा देरवाला, जिला महामंत्री शिवचरण पुरोहित, जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा अलसीसर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन पुजारी, युवा जिलाध्यक्ष ललित जोशी, कोषाध्यक्ष एडवोकेट नीरज शर्मा, मंत्री सुरेंद्र शर्मा, एडवोकेट अनुपम शर्मा, सुरेंद्र भीमसरिया, रामावतार शर्मा, गोपीराम पुरोहित को जिलेभर में लोगों से संपर्क कर पात्र युवक युवतियों के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए अधिकृत किया गया।

वीर झुंझा की प्रतिमा स्थापना दिवस एवं सर्वसमाज प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के संस्थापक वीर झुंझार सिंह का 18वां प्रतिमा स्थापना रविवार को जिला मुख्यालय पर स्थित वीर झुंझा स्मृति स्थल पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्था सचिव सुरेश जाखड़ ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू रहे। वहीं अध्यक्षता राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एमडी चोपदार ने की। विशेष मेहमान के तौर पर भारतीय अंडर-19 एवं डब्लूपीएल खेलने वाली राजस्थान की प्रथम महिला क्रिकेटर हैप्पी खीचड़ रही।

बतौर विशिष्ट अतिथि उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज मील, शिक्षाविद समाजसेवी सुधीर तेवतिया, प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सुंडा, जिला गौशाला समिति के अध्यक्ष ताराचंद गुप्ता और संस्था संरक्षक बजरंग नेहरा रहे। सर्वप्रथम अतिथिगण द्वारा वीर झुंझा एवं मां भारती के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। डीवी शास्त्री द्वारा आर्य समाज विधि से मंत्रोच्चारण कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकृषण सर्वसमाज की प्रतिभाओं के सम्मान एवं कौमी एकता रहा।

अपने मुख्य वक्तव्य में विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि झुंझा जैसे महापुरुषों की बदौलत ही आज झुंझुनूं की संपूर्ण विश्व में हर क्षेत्र में अलग पहचान है। जो आज हमें गर्व की अनुभूति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत के लिए भी भविष्य में बडा योगदान अपने जिले का होगा। एमडी चोपदार ने इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम को एकता और सद्भावना के लिए विशेष बताते हुए ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर जिले के विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष मनोज मील ने समाज को न्याय तथा महापुरुषों के पदचिह्नों पर चलने का आ ान करते हुए अजेय महायोद्धा महाराजा सूरजमल एवं दीनबंधु सर छोटूराम के स्वर्णिम इतिहास पर प्रकाश डाला। सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में यूपीएससी के सात, आरपीएससी के 12, यूजीसी की चार, प्रगतिशील नवाचार पशुपालक तीन, लेखक साहित्यकार नौ, रक्षा क्षेत्र में सात, राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में आठ सामाजिक सरोकारों में 16 और नौ पर्वतारोही सहित 75 प्रतिभाओ को सम्मान विभूषित किया गया।

साथ ही डॉ. सलाउद्दीन चोपदार फाउंडेशन द्वारा संस्थान परिसर के भवन में पांच लाख नवनिर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया।

वीर झुंझा की प्रतिमा स्थापना दिवस एवं सर्वसमाज प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

- कार्यक्रम में दिखी कौमी एकता और सद्भावना की झलक

एक लाख रुपए का सहयोग देने वाले राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विद्याधर जाखड एवं शिव टेंट हाउस के रामपाल भैड़ा को भी सम्मानित किया गया। अंत में संस्था अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नेहरा ने आभार व्यक्त किया।

डॉ. पितराम गोदारा ने अन्न बचाओ की शपथ दिलाई। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हनुमान प्रसाद, हरिराम महण, महेंद्र चौधरी, डॉ. मुकेश एस मूंड, महेश नेहरा, सीकर से रामचंद्र नेहरा, नेमाराम नागौर, बनवारीलाल, अमित नेहरा दिल्ली एनसीआर, चुरु रतनगढ से मुकुंदराम नेहरा, प्रिंस स्कूल के चेयरमैन गुलज़ारीलाल कालेर, शिवकरण जानूं, निरंजन जानूं, विजय गोपाल मोटसरा, राजन चौधरी, कर्नल ओमप्रकाश नेहरा, कप्तान रामसिंह, अमरसिंह, धर्मेंद्र पिलानी, बनवारी जाखड, सुरेश कस्वां, सहीराम बलौदा, मनु भाई टीम गुजरात, लादूराम नेहरा और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नेशनल यूथ आइकॉन वकील विजयहिंद जालिमपुरा एवं सत्यवीर झाझडिया ने किया।

देश के पूर्व खेल सलाहकार असिफ नजरुल ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप से भारत में खेलने का बायकॉट करने के फैसले को लेकर अपनी बात बदल दी। - मो. सलाउद्दीन

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के सीनियर असिस्टेंट कोच, वर्ल्ड कप 2026 बायकॉट पर यू-टर्न लेने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है। पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरुआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है।

क्या आप जानते हैं ?... टी 20 अंतर्राष्ट्रीय (20) : भारत ने 272 मैचों में 183 जीत के साथ दुनिया की सबसे सफल टीमों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें 2024 में आईसीसी विश्व टी20 जीत भी शामिल है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

जिम्बाब्वे व वेस्टइंडिज के बीच शाम 7 बजे

टेनिस स्टार स्लोएन स्टीफंस - फुटबॉलर जोजी अल्टिडोर का ब्रेकअप

नई दिल्ली, 22 फरवरी। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पूर्व चैंपियन स्लोएन स्टीफंस और अमेरिकी पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी जोजी अल्टिडोर ने चार साल बाद अपना वैवाहिक बंधन समाप्त समाप्त कर दिया है। अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्टीफंस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जोजी से अलग होने की घोषणा की।

12 मैचों बाद थमा भारत का विजयी अभियान

सुपर-8 में साउथ अफ्रीका ने 76 रन से हराया

अहमदाबाद, 22 फरवरी। डिफेंडिंग चैंपियन भारत को टी-20 वर्ल्ड कप के तीसरे सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका के 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी है। टीम टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 12 मैच जीतने के बाद हारी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी।

टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्क यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए। कॉर्बिन बॉश को 2 और ऐडन मार्करम को एक विकेट मिला। शिवम दुबे ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए।

इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए।

गत चैंपियन भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 में पहली हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ चरण में भारत का विजयी अभियान रोका और उसके लिए सेमीफाइनल की राह कठिन कर दी।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारत की बल्लेबाजी काफी खराब रही और टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला 76 रनों से अपने नाम किया।

भारतीय टीम के लिए एक खिलाड़ी पर निर्भरता रहना भारी पड़ा है। भारत ने ग्रुप चरण में लगभग हर मैच में एक बल्लेबाज के दम पर ही जीत दर्ज की है। यही उसी कमजोर कड़ी साबित हो रही थी और सुपर आठ के पहले मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी की कलई खुल गई। भारत की बल्लेबाजी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इतनी खराब रही कि शिवम दुबे को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।

जापान की धरती पर चमके भारतीय एथलीट, 1 रजत समेत 4 पदक जीते

जापान, 22 फरवरी। भारतीय खिलाड़ी हरमनजोत सिंह को बेहतरीन 'स्पीड एंड्योरेंस' के बावजूद शनिवार को जापान के फुकुओका में पुरुषों की 10 किलोमीटर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन देश ने एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में तीन और कांस्य पदक जीते।

तीस साल के हरमनजोत ने 29:21 सेकंड का समय निकाला जिससे वह स्वर्ण पदक से करीब से चूक गए क्योंकि जापान के रयूजी मिउरा ने 29:20 सेकंड से खिताब जीता। हरमनजोत ने हालांकि 2024 में बनाए गए अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 29:57 सेकंड के समय को पीछे छोड़ा।

सीनियर महिलाओं की 10 किलोमीटर स्पर्धा भारत की सोनिया 35:24 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी तीन कांस्य पदक जीते। अंडर-20 महिला टीम चैंपियनशिप (छह किलोमीटर) में भारत 22 अंक से तीसरे नंबर पर रहा। जापान नौ अंक और चीन 20 अंक से आगे रहे। भारत की अंडर-20 टीम ने भी 25 अंक हासिल करके कांस्य पदक जीता।

टी-20 वर्ल्डकप सुपर-8 मैच में इंग्लैंड 51 रन से जीता:श्रीलंका 95 रन पर ऑलआउट

कैंडी, 22 फरवरी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों के बड़े अंतर से हराकर टूर्नामेंट के इस अहम पड़ाव में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। रविवार को कैंडी के पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बनाए। ओपनर फिल सॉल्ट ने 40 गेंदों पर 62 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। विल जैक्स ने 21 रन का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकेाजवाब में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 95 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान दसुन शनाका ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

निको ओ'रेली के डबल धमाके से जीती मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग की खिताबी दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, 22 फरवरी। एतिहाद स्टेडियम में ऐसा ही कुछ देखने को मिला है जो इस सीजन की खिताबी दौड़ का रुख बदल सकती है। निको ओ'रेली ने अपने शानदार प्रदर्शन से मैनचेस्टर सिटी को न्यूकैसल यूनाइटेड पर 2-1 की अहम जीत दिलाई है। इस नतीजे के बाद प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल से अंतर घटकर केवल दो अंक रह गया।

बता दें कि सिटी ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। ओ'रेली ने बेहतरीन गोल कर बढ़त दिलाई, हालांकि कुछ ही देर में लुईस हॉल के प्रयास से न्यूकैसल ने बराबरी हासिल कर ली। मौजूद जानकारी के अनुसार इसके बाद एरलिंग हालांड के सटीक क्रॉस पर ओ'रेली ने शानदार हेडर लगाकर फिर से बढ़त दिलाई। यह हालांड का इस सत्र में सातवां असिस्ट रहा, जबकि उनसे ज्यादा असिस्ट केवल ब्रूनो फर्नांडिस ने दिए।

पहले हाफ में सिटी का दबदबा साफ दिखा, हालांकि न्यूकैसल के डैन बर्न ने गेंद जाल में पहुंचाई थी, जिसे ऑफसाइड करार दिया गया। दूसरे हाफ में मुकाबला और कठिन हो गया। सिटी की पकड़ थोड़ी ढीली पड़ी और मेहमान टीम ने वापसी की कोशिश की।

आखिरी पलों में न्यूकैसल ने लंबी गेंदों और कॉर्नर के जरिए दबाव बनाया। यहां तक कि गोलकीपर निक पोप भी आक्रमण में आगे आ गए, जिससे सिटी की रक्षा पंक्ति में हलचल मच गई। लेकिन सिटी के गोलकीपर

जियानलुइजी डोनारुम्मा ने अतिरिक्त समय में दो अहम बचाव कर बढ़त बरकरार रखी।

गौरतलब है कि मैच खत्म होते ही स्टेडियम में जोरदार गर्जना सुनाई दी, जो उत्तरी लंदन तक संदेश देने जैसी थी, जहां आर्सेनल का अगला बड़ा मुकाबला होना है।

डिफेंस लाइन की बात करें तो मथियस नूनेस की एक कमजोर क्लियरेंस से बराबरी का मौका बना, जबकि रूबेन डियास को पीला कार्ड मिलने के बाद मध्यांतर में बाहर कर दिया गया। मार्क गुएही ने संयमित खेल दिखाया, वहीं रयान एइत-नूरी ने एक दुर्भाग्यपूर्ण डिफ्लेक्शन के बावजूद दूसरे हाफ में अहम ब्लॉक किया।

जानकारों का मानना है कि सिटी का यह जुझारू प्रदर्शन खिताब की दौड़ को अंतिम चरण तक रोमांचक बनाए रखेगा। मौजूदा हालात में हर मैच निर्णायक बन चुका है और अंक तालिका का अंतर बेहद नाजुक स्थिति में पहुंच गया।

कतर ओपन 2026 में कार्लोस अल्काराज का तूफान, 50 मिनट में फिल्स को रौंदकर जीता खिताब

कतर, 22 फरवरी। दोहा से आई ताजा खेल खबर ने टेनिस प्रेमियों का ध्यान खींच लिया है। स्पेन के युवा सितारे कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा अंदाज में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। मुकाबला महज 50 मिनट चला, जो उनके करियर के पूरे हुए मुकाबलों में सबसे छोटी अवधि की जीत मानी जा रही है।

बता दें कि शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सात में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और 6-2, 6-1 से सीधी जीत दर्ज की है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह इस सत्र में उनकी लगातार 12वीं जीत है। इससे पहले वह पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीत चुके हैं। गौरतलब है कि 22 वर्षीय अल्काराज पिछले साल इसी टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। इस बार उन्होंने किसी तरह की चूक नहीं की। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वह इस साल और ज्यादा भूख और जोश के साथ कोर्ट पर उतरे हैं। मानसिक रूप से मजबूत रहना आसान नहीं था, लेकिन टीम के सहयोग से उन्होंने शानदार शुरुआत की है। मेलबर्न में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के केवल 20 दिन बाद आई यह जीत उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करती है।

टूर्नामेंट से पहले क्यों नहीं उठाए सवाल? - गावस्कर

आईसीसी प्री-सीडिंग विवाद

नई दिल्ली, 22 फरवरी। टी20 विश्व कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है और सुपर 8 मुकाबले शुरू हो गए हैं। कोलंबो में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, लेकिन असली चर्चा अब टूर्नामेंट के प्रारूप को लेकर हो रही है।

दरअसल आईसीसी द्वारा अपनाई गई प्री-सीडिंग व्यवस्था पर सोशल मीडिया में सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार ग्रुप चरण की सभी शीर्ष टीमों भारतीय टीम, साउथ अफ्रिका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को सुपर 8 के ग्रुप 1 में रखा गया। वहीं दूसरे ग्रुप में इंग्लैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमें शामिल हैं, जो अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं।

गौरतलब है कि इस व्यवस्था के कारण दो मजबूत टीमें सुपर 8 चरण में ही बाहर हो सकती हैं। आम तौर पर बड़े टूर्नामेंटों में ग्रुप विजेताओं को अपेक्षाकृत संतुलित ग्रुप मिलता है, लेकिन यहां उल्टा समीकरण बन गया है। इसी वजह से प्रशंसकों, खासकर श्रीलंका समर्थकों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि श्रीलंका में ग्रुप चरण

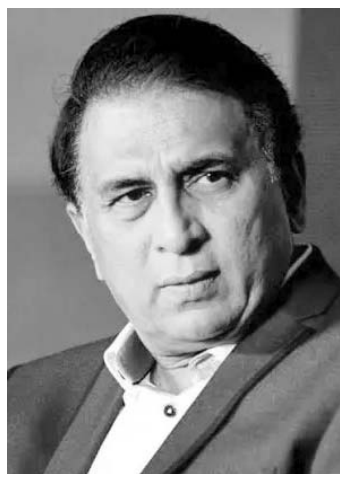

खेलने के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को भारत में खेलना पड़ सकता है।

इस विवाद के बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि अब इस मुद्दे को उठाने का ज्यादा मतलब नहीं है। उनके मुताबिक अगर किसी को प्रारूप पर आपत्ति थी तो उसे टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उठाना चाहिए था, जब कार्यक्रम घोषित किया गया था।

गावस्कर ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना आसान नहीं होता। चूंकि यह प्रतियोगिता दो देशों में खेली जा रही है, इसलिए यात्रा, वीजा, सीमा शुल्क और आवास जैसी व्यवस्थाएं भी ध्यान में रखनी पड़ती हैं।

हर टीम के साथ सहयोगी स्टाफ की संख्या अलग-अलग होती है, जिससे होटल बुकिंग और अन्य इंतजाम प्रभावित होते हैं। संभव है कि इन्हीं व्यावहारिक कारणों से प्री-सीडिंग का फैसला लिया गया हो।

बता दें कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही शीर्ष आठ टीमों की अंतरराष्ट्रीय टी20 रैंकिंग के आधार पर सुपर 8 के स्लॉट तय कर दिए गए थे। इसी वजह से दक्षिण अफ्रीका अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बावजूद सीडिंग में नीचे माना गया, क्योंकि न्यूजीलैंड की रैंकिंग ऊंची थी।

क्रिकेट जानकारों का मानना है कि इस प्रारूप ने सुपर 8 को और प्रतिस्पर्धी जरूर बना दिया है, लेकिन इससे असंतुलन की बहस भी तेज हुई है। अब आने वाले मुकाबले तय करेंगे कि विवाद के बीच कौन सी टीम दबाव झेलते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाती है।

अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी राजस्थान : छत्तीसगढ़

राजस्थान के सचिन यादव का अर्धशतक व चेतन शर्मा की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 22 फरवरी। रायपुर में बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - छत्तीसगढ़ क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर :- रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान-छत्तीसगढ़ टीमों के मध्य खेले जा रहे अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक का स्कोर:- छत्तीसगढ़ पहली पारी 286 आल आउट।

राजस्थान के गेंदबाज चेतन शर्मा 46/3, गणेश सुथार 52/3, मोहित छांगरा67/2, दीपेंद्रसिंह , अनिरुद्ध सिंह 1-1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी 167/9, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 167 रन बना लिए थे।

टीम के लिए सचिन यादव 75, सुमित गोदारा 28, राज शर्मा 24 व दर्शन जैन 19 रनो का योगदान दिया ।छत्तीसगढ़ के गेंदबाज वरुण सिंह 42/6 विकेट।

राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक में प्रहलाद फरड़ोदा चेयरमैन नियुक्त

जयपुर, 22 फरवरी। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक आज सरदार क्लब जोधपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल की अध्यक्षता में हुई और सचिव दिलीप सिंह शेखावत कोषाध्यक्ष कैलाश खटीकमौजूद रहे।

परिषद ने प्रहलाद फरड़ोदा को राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन का चेयरमैन नामित एवं नियुक्त किया । यह प्रस्ताव मनवेंद्र सिंह जसोल द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका परिषद ने सर्वसम्मति से समर्थन किया।

प्रहलाद फरड़ोदा अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं और वे इंग्लैंड स्थित एक प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी हैं। उन्हें फुटबॉल में गहरी रुचि है तथा वे इंग्लैंड में

एक फुटबॉल अकादमी (रिचिंग्स पार्क स्पोर्ट्स क्लब) के स्वामी भी हैं। ओर कहा कि राजस्थान के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी धरती पर भी खेल सकेंगे

बैठक के दौरान परिषद द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा अनुशासन समिति और अपील समिति के गठन का निर्णय लिया गया। साथ ही राष्ट्रीय खेल नीति पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संघ के पदाधिकारी महेंद्र बिजानिया, कृष्ण अवतार, मांगीलाल काबरा, सुनील राव,दिनेश सिंह, मानवेंद्र सिंह, मांगीलाल सोलंकी, शकील अहमद,रफीक सिंधी, सतीश जांगिड़, ने भाग लिया ।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में यूनियन क्रिकेट क्लब ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 102 रनों से हराया।

यूनियन क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदित्य चौधरी के 46 रन, अशोक स्वामी के 15 रन, आदित्य शर्मा के 21 रन, आदित्य टांक के 52 रन, दीपक चौधरी के 93 रन नाबाद व लोकेश शर्मा के नाबाद 38 रनो से 50 ओवर में 5 विकेट पर 301 रन बनाए। राजीव गांधी क्लब के लिए सौरभ यादव ने 74 पर 2, देवांग सिंगोदिया ने 55 पर 2 व आर्यन यादव ने 52 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में राजीव गांधी क्लब की टीम आर्यन जैन के 52 रन, मनन सिंह के 31 रन, देवांश सिंह के 30 रन व मोहम्मद हमजा के 23 रनो से 37.4 ओवर में 199 रनो पर सिमट गई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 39 पर 2, आतिफ खान ने 27 पर 2, अशोक स्वामी ने 19 पर 3, दीपक चौधरी व रमेश शर्मा व देवराज सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

नोट: दिनांक 24 फरवरी को के एल सैनी स्टेडियम पर पी एंड टी क्रिकेट क्लब बनाम चंबल स्पोर्ट्स क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

नए अफगान कोच को देश में ही रहना होगा:जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म

अफगानिस्तान, 22 फरवरी। जोनाथन ट्रॉट के इस्तीफे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) नए कोच की तलाश के अंतिम चरण में है। इस बीच, बोर्ड के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने साफ कर दिया है कि अगले मुख्य कोच और उनके सपोर्ट स्टाफ को ऑफ-सीजन के दौरान अफगानिस्तान में ही रहकर अपना काम करना होगा। नसीब खान ने कहा, 'हमने कोच के कॉन्ट्रैक्ट में यह शर्त साफ तौर पर रखी है कि उनका ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान ही होगा। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट और युवा खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें। नए कोच की रेस में तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें से दो कोच दक्षिण अफ्रीका के हैं और एक एशियाई है।

ट्रॉट 2022 से टीम के कोच थे ट्रॉट ने 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना काम शुरू किया और अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जिसमें प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी जीत शामिल हैं। अफगानिस्तान 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंचा, लेकिन इस साल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया।

संजुला मान ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता

टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन' ने जीता यूएसपीए पीडीकेएफ लेडीज पोलो कप 2026

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी रहीं मुख्य अतिथि

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में शनिवार को यूएसपीए प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन लेडीज पोलो कप 2026 का रोमांचक मैच खेला गया। यह मैच दो टीमों - टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक और टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन के बीच खेला गया, जिसमें टीम पीडीकेएफ ग्रीन ने 5 -3 के स्कोर से पीडीकेएफ टीम पिंक को हराकर लेडीज पोलो कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान पीडीकेएफ की जनरल सेक्रेटरी, प्रिंसेस गौरवी कुमारी और यूएस पोलो एसोसिएशन विमेंसवियर की बिजनेस हेड, स्वप्निता सिंह भी उपस्थित रहीं।

मुकाबले के दौरान टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन लांस वाटसन के नेतृत्व में

खेली। वहीं टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक का नेतृत्व जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने किया था। विजेता टीम पीडीकेएफ यूएसपीए ग्रीन से कुमारी विजयश्री शक्तावत ने 3 गोल किए और डॉ. शिवांगी जय सिंह ने 2 गोल किए। टीम से मिली शेठ भी खेलीं। वहीं, दूसरी टीम पीडीकेएफ यूएसपीए पिंक से संजुला मान ने

3 गोल किए। मैच में खेलने वाली अन्य खिलाड़ियों में उर्वी सिंह और कुमारी लावण्या शेखावत शामिल थीं। गौरतलब है कि यह मैच प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) और भारत के लीडिंग कैजुअलवियर ब्रांड एवं यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन (यूएसपीए) के ऑफिशियल ब्रांड यूएस पोलो एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। मैच का आनंद लेने के लिए जयपुर के महिला संगठन, एनजीओ, पोलो प्रेमी और शहर के जाने-माने व्यक्ति उपस्थित रहे।अगले सप्ताह से राजस्थान टूरिज़्म पोलो कप (6 गोल्स) खेला जाएगा। इस कप का फाइनल मुकाबला रविवार, 1 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगा।

राजस्थान पोलो क्लब पर आयोजित कार्यक्रम में पोलो सीजन-2026 की बेहतरीन कवरेज के लिए राष्ट्रदूत के खेल पत्रकार ज़ाकिर हुसैन को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

राजस्थान सरकार घुमन्तु समुदाय के कल्याण व सशक्तिकरण के लिए समर्पित- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर में घुमन्तु समुदाय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रबुद्धजनों के महासम्मेलन को संबोधित किया

जयपुर, 22 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। धरती की मिट्टी से जुड़ा यह समुदाय त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस समुदाय के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य के 2026-27 के बजट में घुमन्तु समुदाय के बच्चों के लिए ''राज पहल कार्यक्रम'' की अभिनव पहल की गई है, इसके पहले चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अम्बाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित किया।

रविवार को मुख्यमंत्री अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर के सभागार में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने घुमन्तु परिवारों को आश्रय उपलब्ध कराने के लिए आवासीय पट्टे वितरित किए एवं इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावास की व्यवस्था की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बजट वर्ष 2026-27 में घुमन्तु समुदाय के बच्चों की शिक्षा के लिए राज पहल कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही प्रवास-प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी शिक्षा शिविर तथा शैक्षिक संभागों में 6 माह के स्कूल रेडिनेस कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। इससे पलायन और प्रवास के कारण नियमित विद्यालय से वंचित रहने वाले बच्चों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने अंबाबाड़ी के पास खाटूश्याम जी जा रहे पदयात्रियों से मुलाकात की तथा प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हनुमान सिंह, घुमन्तु कार्य प्रमुख राजस्थान क्षेत्र महेन्द्र सिंह, जनाधिकार समिति सदस्य राकेश बीदावत सहित घुमन्तु समुदाय के प्रतिनिधिगण, समाजसेवी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। मोहोल ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले ही एक प्रेस बयान जारी कर दिया है जिसमें सर्वोच्च विमानन निकाय ने चल रही जांच से संबंधित सभी बातों पर स्पष्टीकरण दिया है। मोहोल ने कहा, एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। इस बीच, अजित पवार की मौत पर राज्य सरकार के रुख को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने बजट सत्र से पहले होने वाली पारंपरिक हाई-टी पार्टी का बहिष्कार किया है।

25 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदस्य और केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य नक्सली कमांडर देवजी के आत्मसमर्पण पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बसव राजू के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद देवजी बड़ा नक्सली कैडर था, जिसने तेलंगाना में आत्मसमर्पण कर दिया है। कुछ नाम और शेष हैं, जो निष्क्रिय है, लेकिन उन्हें भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों को मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में काम किया जा रहा है।

किश्तवाड़ में सुरक्षा कर्मियों ने रविवार को तीन आतंकी मारे

जॉइंट ऑपरेशन में मरने वालों में एक जैश का टॉप कमांडर भी शामिल है

- **सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक पहाड़ी पर मौजूद मिट्टी के घर में छुपे आतंकियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की। भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए।**

किश्तवाड़, 22 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाकर्मियों ने ऑपरेशन त्राशी-1 के तहत आतंकियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस अभियान के दौरान रविवार को तीन आतंकी ढेर किए गए हैं। मारे गए आतंकियों में जैश का टॉप कमांडर भी शामिल है। इस जॉइंट ऑपरेशन को जम्मू-कश्मीर पुलिस, अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसयों ने मिलकर अंजाम दिया। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, किश्तवाड़ क्षेत्र में एक्टिव आतंकियों का पता लगाने और उन्हें खत्म करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

शीर्ष सूत्रों के मुताबिक पुलिस और सुरक्षाबलों ने जैश के कमांडरों को मार गिराया है, इनमें सैफुल्लाह भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टुकड़ियों ने तलाशी अभियान शुरू किया और सुबह करीब साढ़े 10 बजे चतरू बेल्ट के पासेरकुट इलाके में मुठभेड़ शुरू हुई।

अधिकारी ने बताया कि एक पहाड़ी पर मौजूद मिट्टी के घर के भीतर छिपे आतंकवादियों ने पास आ रहे जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। इस अभियान में अब तक तीन आतंकवादी मारे जा चुके हैं। उनके पास से दो एके-47 राइफलों और गोला-बारूद सहित अन्य आतंकी सामग्री भी बरामद की गई है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। सुरक्षाबल लगातार तलाशी अभियान चला रहे है, ताकि कोई भी छिपा हुआ आतंकी उनकी नजरों से बचे नहीं। आतंकियों की तलाश लगातार जारी है।

पिछले महीने चतरू वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगभग छह मुठभेड़ हुईं, जिनमें एक सैनिक शहीद हो गया और एक आतंकवादी मारा गया। रविवार को तीन आतंकवादियों के मारे जाने के साथ ही, इस साल जम्मू क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के कुल सात आतंकवादियों को मार गिराया है। इससे पहले, उधमपुर में दो और कठुआ जिले में एक आतंकवादी मारा गया था।

टैरिफ से नहीं डरें, स्वदेशी से सशक्त भारत का निर्माण होगा- भागवत

उन्होंने कहा कि संघ किसी विशेष परिस्थिति में बना संगठन नहीं, बल्कि सतत चलने वाला कार्य है

देहरादून, 22 फरवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि किसी टैरिफ का भय दिखाने से डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि स्वदेशी को जीवन में अपनाकर ही सशक्त भारत का निर्माण होगा।

डॉ भागवत रविवार को संघ शताब्दी वर्ष पर गढ़ी कैंट हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सरसंघचालक डॉ भागवत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर अब तक की तमाम गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। डॉ भागवत ने कहा कि संघ कोई अखाड़ा या संगीतशाला नहीं है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों में सेवा कार्य करने वाला संगठन है। संघ किसी विशेष परिस्थिति में बना संगठन नहीं, बल्कि सतत चलने वाला कार्य है। यह किसी प्रतिक्रिया या प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं बना है और न ही उसे लोकप्रियता या सत्ता की इच्छा है। भागवत ने कहा कि सुरक्षित और प्रतिष्ठित वही होते हैं, जिनका देश प्रतिष्ठित और बलवान हो। युगांडा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देश को बड़ा बनाना ही लक्ष्य होना चाहिए। व्यवस्था परिवर्तन के लिए समाज को देशहित में उत्तम कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी जैसे महापुरुषों की आवश्यकता है, लेकिन केवल नाम लेने से नहीं, उनके आदर्शों को जीवन में उतारने से परिवर्तन होगा।

लश्कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कई राज्यों में भीड़ वाली जगह की रेकी कर वहां हमले की तैयारी चल रही थी। इसके लिए हथियारों का इंतजाम किया जा रहा था। उमर ने खुलासा किया कि एक और बांग्लादेशी हैंडलर सैद-उल-इस्लाम जो किसी अन्य देश में है, उसने उमर फारूक का 6 बांग्लादेशियों से संपर्क कराया जो सभी तमिलनाडु में मौजूद थे। सैद-उल-इस्लाम के आदेश पर ये तमिलनाडु से कोलकाता पहुंचने वाले थे। इससे पहले स्पेशल सेल की टीम ने तमिलनाडु पहुंच कर स्थानीय पुलिस की मदद से इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की टीम इन्हें लेकर तमिलनाडु से ट्रेन के जरिये दिल्ली के लिए निकल चुकी है, सोमवार को इनके पहुंचने की उम्मीद है। जबकि उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम से लगातार पूछताछ की जा रही है। इनके पास से करीब 12 मोबाइल फोन व कई सिम कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस उनकी भी पड़ताल कर रही है।

एआई समिट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम हो गई है। नमो भारत ट्रेन मोदीपुरम से सराय काले खां तक की 82 किलोमीटर की दूरी 55 मिनट में तय करेगी। इसका किराया 2.60 रुपये प्रतिकिलोमीटर तय किया गया है।

दो बेटों ने जमीन विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहासुनी हो गई। आरोप है कि दोनों बेटे शराब के नशे में थे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने पिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट इतनी गंभीर थी कि पिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मृतक की पत्नी ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

ट्रंप पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि अधिकारियों ने मारे गए व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। इस घटनाक्रम पर व्हाइट हाउस की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

`राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600